सूर्योदय 05:57 AM सूर्यास्त 06:49 PM

हिन्दी दैनिक

दिल्ली वार्ता

दिल्ली से प्रकाशित एवं उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, बिहार, बंगाल में प्रसारित।

facebook.com/delhivartanews x.com/delhivartanews instagram/vartanews

वर्ष 20 | अंक : 206 | नई दिल्ली, गुरुवार, 27 अगस्त, 2026 | RNI No :- DELHIN/2008/23199 | पृष्ठ - 08, मूल्य ₹ 2, | www.delhivarta.com

एक नजर...

देश में चीनी की कोई कमी नहीं: केंद्र

नई दिल्ली। देश में चीनी की कोई कमी नहीं हैं और अक्टूबर में नए क्रशिंग सीजन शुरू होने से पहले मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त आपूर्ति मौजूद है। यह जानकारी सरकार की ओर से बुधवार को दी गई। सरकारी फैक्टशीट के मुताबिक, एथेनॉल बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली चीनी का हिस्सा 2022-23 में लगभग 12 प्रतिशत से घटकर 2025-26 में लगभग 9 प्रतिशत हो गया है। साथ ही, कहा कि देश में बनने वाले एथेनॉल का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा अब अनाज, खासकर मक्के से आता है। इस तरह, केंद्र ने उन दावों को खारिज कर दिया गया जिनमें कहा जा रहा था कि एथेनॉल बनाने के लिए चीनी के इस्तेमाल की वजह से चीनी की कीमतें बढ़ रही हैं।

अगस्त 2024 और जुलाई 2026 के बीच ग्राहकों के लिए चीनी की खुदरा कीमतें भी काफी हद तक स्थिर रही हैं और इनमें सालाना सिर्फ 3 प्रतिशत के आसपास ही बढ़ोतरी हुई है।

हाल के हफ्तों में चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। 20 जुलाई को कीमत 48.18 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो 20 अगस्त को बढ़कर 55.70 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। यह एक महीने के भीतर लगभग 15.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दिखाता है। कीमतों में मौजूदा उछाल मुख्य रूप से कम समय की आपूर्ति और बाजार के कारकों की वजह से है, न कि कीमतों के मूल ट्रेंड में किसी बदलाव के कारण।

बयान में कहा गया है कि चीनी की कीमतों में मौजूदा बढ़ोतरी कई वजहों से हुई है, जिनमें उम्मीद से कम घरेलू उत्पादन, त्योहारों के मौसम से पहले बढ़ी हुई मांग और मौसम की वजह से गन्ने की फसल को हुआ नुकसान शामिल हैं।

खेड़ा को झूठ के लिए मिली राज्यसभा सीट : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को आरोप लगाया है कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी पर झूठे आरोप लगाने के चलते कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को राज्यसभा सीट दी गई। उन्होंने कहा कि आरोप का तो असर उल्टा हुआ लेकिन खेड़ा राज्यसभा पहुंच गए जबकि वे इसके हकदार नहीं थे।

सोशल मीडिया पर वाद-विवाद के बीच केन्द्रीय मंत्री रिजिजू ने यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा, "दो वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने मुझे बताया कि राहुल गांधी ने पवन खेड़ा को असम चुनाव के अंतिम समय में हिमंत बिस्वा और रिनिकी जी (हेमंत की पत्नी) के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए कहा था। जब ये झूठ उल्टा पड़ गया तो खेड़ा को राज्यसभा की सीट इनाम के तौर पर दे दी गई, जिसके वो हकदार नहीं थे!"

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और किरेन रिजिजू के बीच सोशल मीडिया पर वाद-विवाद रविवार से चल रहा है। रिजिजू ने अरुणाचल में नदी में तैरने का एक वीडियो डाला जिसके बाद पवन खेड़ा ने उनपर टिप्पणी की और फिर विवाद बढ़ गया। कल रिजिजू ने कहा था कि पवन खेड़ा राज्यसभा में अपनी पार्टी की ओर से मनोनीत पहले कार्यकाल के सांसद हैं और वे 8 बार चुनाव लड़ चुके हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि खेड़ा को 'अभद्र टिप्पणी' करने का अधिकार मिल जाता है।

भारत जल्द नेपाल भेजेगा राहत सामग्री, बाढ़ प्रभावितों की मदद की तैयारी

नई दिल्ली। नेपाल में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से उत्पन्न हालात के बीच भारत सरकार प्रभावित लोगों की मदद के लिए जल्द से जल्द राहत सामग्री भेजने की तैयारी कर रही है।

नेपाल के तिब्बत सीमा के पास स्थित रसुवा जिले में बुधवार को भोटे कोशी नदी में अचानक बाढ़ आ गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तिब्बती क्षेत्र की ओर ग्लेशियर में अचानक पानी बढ़ने या हिमस्खलन को इस बाढ़ की संभावित वजह माना जा रहा है। बाढ़ से कई गांवों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा है।

नेपाल में 'जल प्रलय' से भारी तबाही

22 की मौत, मानसरोवर यात्रा पर जा रहे 105 भारतीयों समेत 400 से ज्यादा लोग लापता, पीएम मोदी ने की मदद की पेशकश

• **काठमांडू, एजेंसी**

नेपाल में बुधवार सुबह अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। तिब्बत सीमा से सटे नेपाल के रसुवा, धाडिंग और नुवाकोट जिलों में अचानक आए पानी के सैलाब ने कई गांवों, सड़कों और हाइड्रोपावर परियोजनाओं को तबाह कर दिया है। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 22 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, वहीं यह आकंड़ा बढ़ सकता है।

इस जल प्रलय में 105 भारतीय नागरिकों समेत लगभग 400 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा नेपाल के रास्ते मानसरोवर यात्रा पर निकले सैलानी शामिल बताए जा रहे हैं। नेपाल में आई इस तबाही का असर भारत के सीमावर्ती राज्यों बिहार और उत्तर प्रदेश पर भी दिखने लगा है, दोनों राज्यों के कई जिलों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

हर तरफ तबाही का मंजर

नेपाल टूरिज्म बोर्ड (NTB) के अनुसार, रसुवा और उसके आसपसा के इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन के बाद कुल 384 से ज्यादा लोग लापता हैं। इनमें 291 विदेशी पर्यटक और 93 नेपाली नागरिक शामिल हैं। लापता विदेशी यात्रियों में 105 भारतीय नागरिक, 37 एनआरआई तथा अमेरिका, ब्रिटेन, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स के नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा टिमुरे बॉर्डर पोस्ट पर तैनात 9 पुलिसकर्मी भी लापता बताए जा रहे हैं। बाढ़ की चपेट में आकर रसुवा का एक प्रमुख हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पूरी तरह से तबाह हो गया है, जबकि धाडिंग और नुवाकोट में कम से कम एक दर्ज जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रसुवा, नुवाकोट, धाडिंग, गोरखा और चितवन जैसे प्रभावित इलाकों के सांसदों से बातचीत की। इस बातचात में बाढ़ से हुए नुकसान, तटीय इलाकों में बसी बस्तियों की हालत और बचाव व राहत कार्यों पर चर्चा हुई।

14 हेलीकॉप्टर तैनात, हेल्पलाइन नंबर जारी

नेपाल सरकार ने राहत और बचाव कार्य के लिए 14 हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। हालांकि, टिमुरे में स्थानीय हेलीपैड के बह जाने के कारण राहत टीमों को उतरने में भारी

मशक्कत करनी पड़ रही है। आपातकालीन सहायता के लिए नेपाल टूरिज्म बोर्ड ने हेल्पलाइन नंबर (1234, 1144, और 9851289445) जारी किए हैं।

भारतीय दूतावात ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

काठमांडू में भारतीय दूतावास ने आज नेपाल में अचानक आई बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों की मदद और जानकारी के लिए इमरजेंसी नंबर जारी किए हैं (+977 985 131 6807, +977 970 910 7500)

नेपाल के स्थानीय प्रशासन के अनुसार, रसुवा क्षेत्र में पिछले 24 घंटों के दौरान मात्र 7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसलिए इस भीषण बाढ़ का कारण स्थानीय बारिश नहीं, बल्कि तिब्बत के ऊपरी हिस्से में स्थित किसी ग्लेशियर झील का फटना माना जा रहा है।

पीएम मोदी ने मदद की पेशकश की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल में आई बाढ़ में हुई मौतों पर दुख जताया और बचाव व राहत कार्यों के लिए भारत की ओर से मदद की पेशकश की।

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि, नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से बात की और बाढ़ से हुए जान-माल के नुकसान पर दुख जताया। इस मुश्किल समय में भारत के लोग नेपाल में अपने भाई-बहनों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।

भारत नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। हमारी टीमें बचाव और राहत कार्यों के लिए मिलकर काम कर रही हैं।

बिहार के 8 जिलों में खतरा

नेपाल के त्रिशूली और गंडक कैचमेंट एरिया में जलस्तर के खतरनाक स्तर तक पहुंचने के बाद बिहार के आपदा प्रबंधन विभाग ने गंडक नदी में 3 मीटर तक ऊंची फ्लैश फ्लड वेव आने की चेतावनी दी है। इसे देखते हुए बिहार के 8 जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में पश्चिमी चंपारण (बेतिया), पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर शामिल हैं।

वहीं बिहार में बाढ़ के खतरे को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से फोन पर बातचीत की। गृह मंत्री ने संभावित संकट से निपटने के लिए राज्य सरकार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। किसी भी आपात-कालीन स्थिति से निपटने के लिए NDRF को संगठित किया जा रहा है।

बिहार के जल संसाधन विभाग ने गंडक बैराज के सभी फाटकों को खोलने और नहरों में पानी प्रवाहित करने का निर्देश दिया है। गोपालगंज, मुजफ्फरपुर और बेतिया में NDRF और SDRF की टीमों को तैनात और स्टैंडबाय पर रखा गया है। जिलाधि-कारियों को निचले इलाकों से लोगों को निकालने, कम्युनिटी किचन और राहत शिविर तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

यूपी के सीमावर्ती जिलों में भी निगरानी तेज

नेपाल में आए उफान का असर उत्तर प्रदेश के पूर्वी जिलों में भी देखा जा रहा है। महराजगंज, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर और कुशीनगर में रोहिन, गंडक और अन्य सहायक नदियों के जलस्तर पर...

» शेष पेज 7 पर

राहुल गांधी का बीजेपी पर हमला, बोले - लाठियों से सवाल नहीं दबेंगे

• **नई दिल्ली, एजेंसी**

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विरोध कर रहे छात्रों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि लाठियों से सवालों को दबाया नहीं जा सकता और राज्य सरकार से जवाबदेही की मांग की। मंगलवार को पटना में तनाव बढ़ गया, जब पुलिस ने 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर राजभवन और मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च कर रहे छात्रों को तितर-बितर करने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया।

X पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि बिहार में छात्र सीधा सवाल पूछ रहे हैं: भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी क्यों होती है? पेपर लीक के आरोपों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं होती? और कब तक युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता रहेगा? गांधी ने कहा कि BPSC परीक्षाओं को लेकर विवाद कोई नई बात नहीं है; छात्र लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया, परीक्षा पैटर्न, देरी और पारदर्शिता की कमी को लेकर चिंता जताते रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जवाब देने के बजाय सरकार क्या कर रही है? वह लाठी और वॉटर कैनन का इस्तेमाल कर रही है। वह छात्रों को हिरासत में ले रही है। सिवान में तो प्रदर्शनकारियों पर AK-47 से फायरिंग की खबरें भी आईं। कांग्रेस नेता ने आगे आरोप लगाया कि यह मामला सिर्फ़ पुलिस की कार्रवाई का नहीं है, बल्कि छात्रों की चिंताओं के प्रति भारतीय जनता पार्टी (BJP) सरकार के रवैये का भी है।

गांधी ने कहा कि यह सिर्फ़ पुलिस की कार्रवाई का सवाल नहीं है; यह BJP सरकार की सोच का सवाल है। जवाब न होने पर, सरकार अपनी जवाबदेही से बचने के लिए पुलिस का इस्तेमाल एक हथियार के तौर पर कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि BJP सरकार को यह समझना चाहिए: लाठियों से सवालों को दबाया नहीं जा सकता। डरा-धमकाकर किसी का भविष्य छीना नहीं जा सकता। बिहार के छात्र सवाल पूछते रहेंगे। और अब, वे सिर्फ़ जवाब नहीं, बल्कि जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

» शेष पेज 7 पर

समापन सत्र

राजधानी दिल्ली में इंटेलिजेंस ब्यूरो के 'नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजीज कॉन्फ्रेंस' (एनएसएससी) के समापन सत्र को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

फोटो साभार : पीआईबी

शिवराज का चिदंबरम पर पलटवार, कांग्रेस ने ही बिगाड़ा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का सिस्टम

• **नई दिल्ली, एजेंसी**

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को 'एक देश, एक चुनाव' (One Nation, One Election) का विरोध करने वाले कांग्रेस सांसद पी चिदंबरम पर पलटवार किया। उन्होंने तर्क दिया कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव पहले एक साथ ही होते थे, लेकिन तत्कालीन सत्ताधारी कांग्रेस ने इस व्यवस्था को बिगाड़ दिया। इससे पहले, वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने कहा था कि अगर संसद से 'एक देश, एक चुनाव' बिल पास भी हो जाए, तो भी 2029 में एक साथ चुनाव कराना संभव नहीं होगा। 'X' पर एक पोस्ट में चिदंबरम ने कहा कि उन्होंने 'एक देश, एक चुनाव' (ONOE) पर बनी संयुक्त संसदीय समिति (JPC) के सामने अपनी बात रखी थी और कहा था कि यह बिल संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करता है।

पलटवार करते हुए शिवराज चौहान ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने 1970 के दशक में असंवैधानिक तरीकों से विपक्ष की चुनी हुई सरकारों को गिराया था। पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैंने पी चिदंबरम का बयान पढ़ा जिसमें उन्होंने दावा किया है कि 'एक देश, एक चुनाव' असंवैधानिक है और कांग्रेस पार्टी की अंतरात्मा इसे लागू करने की इजाज़त नहीं देती। वे किस अंतरात्मा की बात कर रहे हैं? लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव पहले एक साथ ही होते थे; ऐसा 1952, 1957, 1962 और 1967 में हुआ था। बाद में, कांग्रेस पार्टी ने असंवैधानिक तरीकों से विपक्ष की चुनी हुई सरकारों को...

» शेष पेज 7 पर

बांसुरी स्वराज का राहुल गांधी पर हमला, बोली-'पितृसत्ता खत्म' की बात सिर्फ पुणे तक क्यों?

• **नई दिल्ली, एजेंसी**

भारतीय जनता पार्टी की सांसद बांसुरी स्वराज ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना की। उन्होंने राहुल गांधी के उस बयान पर आपत्ति जताई जिसमें उन्होंने एक ज्वेलरी ब्रांड के त्योहारों से जुड़े विज्ञापन को लेकर मचे विवाद के बीच एक्ट्रेस कृति सेनन का समर्थन किया था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब राहुल गांधी ने सेनन का बचाव किया। सेनन को ज्वेलरी ब्रांड GIVA के रक्षाबंधन विज्ञापन में पहने गए अपने कपड़ों को लेकर ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ा था। गांधी ने कहा कि महिलाओं को अपने कपड़े चुनने की आज़ादी है और उन्होंने ऑनलाइन ट्रोल करने वालों से महिलाओं को निशाना बनाना बंद करने को कहा।

इसके जवाब में, स्वराज ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर गांधी के रुख में निरंतरता की कमी पर सवाल उठाए। उन्होंने कई ऐसे मौकों का ज़िक्र किया जब गांधी ने महिलाओं के ख़िलाफ़ अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा नहीं की थी। उन्होंने कहा कि जब कंगना रनौत के ख़िलाफ़ अपशब्द कहे गए, तो राहुल गांधी चुप रहे। साथ ही, एक बार हेमा मालिनी के ख़िलाफ़ भी अप-मानजनक टिप्पणी की गई थी, लेकिन राहुल गांधी की तरफ़ से एक भी बयान नहीं आया। अधीर रंजन चौधरी ने भारत की राष्ट्रपति के ख़िलाफ़ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और कांग्रेस के कई नेताओं ने महिलाओं के ख़िलाफ़ बातें कहीं, फिर भी राहुल गांधी चुप रहे, और अब वह पितृसत्ता को खत्म करने की बात कर रहे हैं। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहती हूँ कि कर्नाटक और

हिमाचल में एक भी महिला नेता क्यों नहीं है? उन्होंने महिला आरक्षण बिल का विरोध क्यों किया? और आप महिलाओं के सश-क्तिकरण की बात कर रहे हैं?

उन्होंने आगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महिला-नेतृत्व वाले विकास के नज़रिए पर ज़ोर देते हुए कहा कि आप हमेशा नरेंद्र मोदी पर हमला करते रहते हैं। नरेंद्र मोदी एक ऐसे नेता हैं जो हमेशा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम कर रहे हैं। भारत की 48 प्रतिशत महिलाएँ दुनिया भर में स्टार्टअप्स का नेतृत्व कर रही हैं। राहुल गांधी, मैं आपकी महिला-विरोधी सोच पर सवाल उठा रही हूँ। यह देश आपसे बेहतर विपक्ष का नेता पाने का हकदार है, मिस्टर राहुल गांधी।

उन्होंने कहा कि 22 अगस्त को विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश में एक नई झूठी कहानी गढ़ने की कोशिश की। वह 'पितृसत्ता को खत्म करने' की बात करते हैं—एक ऐसी सोच जिसका मैं पूरी तरह समर्थन करता हूँ। हालाँकि, मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूँ: क्या आप 'पितृसत्ता को खत्म करने' का नारा सिर्फ़ पुणे के मंच तक ही सीमित रखते हैं? और क्या आप अपनी ही कांग्रेस पार्टी के भीतर राजनीतिक पितृसत्ता को बढ़ावा देते रहते हैं? राहुल गांधी के पास न तो कोई विज़न है और न ही कोई सकारात्मक ...

» शेष पेज 7 पर

योग गुरू पर भारी पड़ी एक्ट्रेस

कंगना की जवानी पर सवाल उठाना पड़ा बाबा रामदेव को भारी, एक्ट्रेस ने दिया करारा जवाब

• **नई दिल्ली, एजेंसी**

राजनीति और मनोरंजन की दुनिया में अपने बेबाक बयानों से अक्सर सुर्खियां बटोरने वाली बीजेपी सांसद कंगना रनौत इस बार योगगुरु बाबा रामदेव से सीधे भिड़ गई हैं। शुरुआत कंगना के विवादित "Generation Gutter" बयान से हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला युवाओं से निकलकर कंगना की जवानी, निजी जिंदगी, चरित्र और फिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। रामदेव ने कंगना के अतीत और युवावस्था पर सवाल उठाए तो कंगना ने ऐसा पलटवार किया कि बाबा को आखिरकार कहना पड़ा कि वह इस विवाद को और आगे नहीं बढ़ाना चाहते।

दरअसल, कंगना रनौत ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे युवाओं और Gen Z को निशाना बनाते हुए उन्हें "Generation Gutter" कह दिया था। इस टिप्पणी पर मनोरंजन जगत से लेकर सार्वजनिक जीवन तक तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आईं। इसी विवाद में जब बाबा रामदेव से कंगना के बयान पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने भी अभिनेत्री-सांसद पर हमला बोल दिया। रामदेव ने कहा, "उनका बचपन कैसा था? उनकी जवानी कैसी थी? उनके पिछले काम कैसे थे? मैं ऐसे लोगों पर बात नहीं करना चाहता। युवाओं को 'Generation Gutter' कहना विकृत मानसिकता की निशानी है।"

यहीं से विवाद ने नया मोड़ ले लिया। कंगना को खास तौर पर रामदेव का उनकी जवानी और निजी जीवन पर टिप्पणी करना नागवार गुजरा। उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए ऐसा जवाब दिया, जिसमें व्यंग्य, निजी

पलटवार और पतंजलि से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के मामले, तीनों का तड़का था। कंगना ने लिखा, "बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में दिवास्वप्न मत देखिए। अफवाहों और गॉसिप के आधार पर ही कुछ भी मान सकते हैं। कम से कम मुझे तो झूठे या भ्रामक प्रभावकारिता दावों के मामले में सुप्रीम कोर्ट से फटकार नहीं लगी।" कंगना यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने रामदेव को चरित्र पर उपदेश देने से भी साफ मना कर दिया और दो टूक कहा, "मुझे कैरेक्टर लेसन मत दीजिए। तुमसे तो बहुत ज्यादा बेहतर है मेरा कैरेक्टर। नो फ्रॉड डिटेक्टेड हियर।"

यानी कंगना ने रामदेव के उस सवाल का जवाब सिर्फ शब्दों से नहीं दिया, बल्कि तंज का पूरा तरकश खोल दिया। संदेश साफ था कि मेरी जवानी और निजी जिंदगी पर टिप्पणी करोगे, तो जवाब तुम्हारे सार्वजनिक रिकॉर्ड से दिया जाएगा। विवाद बढ़ने के बाद कंगना ने अपने रुख को और कठोर कर दिया। उन्होंने कहा कि बाबा रामदेव ने महिलाओं को लेकर अपनी टिप्पणियों में "मर्यादा की हर सीमा पार कर दी है।"

कंगना के मुताबिक, किसी महिला पर इस तरह की टिप्पणी करना सिर्फ व्यक्तिगत हमला नहीं, बल्कि समाज को शर्मसार करने वाला व्यवहार है। उन्होंने यहां तक कहा कि रामदेव ने अपनी भगवा वेशभूषा की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई है। कंगना ने कहा कि महिलाओं को लेकर रामदेव जिस तरह की बातें करते हैं, उन्हें अपने नजरिए पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उनका आरोप था कि उन्हें निशाना बनाकर व्यक्तिगत टिप्पणियां करना कहीं न कहीं पब्लिसिटी हासिल करने की कोशिश भी है।

बता दें कि कंगना के पलटवार का सबसे तीखा हिस्सा पतंजलि से जुड़े उस मामले को लेकर था, जिसमें 2024 में बाबा रामदेव और उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष माफी मांगनी पड़ी थी। दरअसल, पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े मामले में दोनों ने अखबारों में सार्वजनिक माफीनामा जारी किया था।

संक्षिप्त खबरें

उदयपुर में तेंदुए का आतंक: एक ही सुबह तीन ग्रामीणों पर हमला, चीख-पुकार सुनकर भागा लेपर्ड

उदयपुर, एजेंसी। उदयपुर के उमरड़ा खेड़ा गांव में बुधवार सुबह तेंदुए ने तीन ग्रामीणों पर हमला कर दिया। आबादी क्षेत्र के पास घात लगाकर बैठे तेंदुए ने घरों से बाहर निकले ग्रामीणों को निशाना बनाया। हमले में तीनों घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए उदयपुर के एमबी अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब छह बजे तेंदुआ गांव में आबादी क्षेत्र के पास बैठा था। जैसे ही ग्रामीण घरों से बाहर निकले, उसने अचानक हमला कर दिया। इस दौरान जग्गा (60) पुत्र कालू मीणा, रितेश (20) पुत्र गंगाराम और कालू (40) पर तेंदुए ने हमला किया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। लोगों की भीड़ और शोर सुनकर तेंदुआ वहां से भाग गया। उमरड़ा के पूर्व सरपंच गोपाल मीणा ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र में घर होने के कारण वहां वाहन नहीं पहुंच पाते। ऐसे में घायलों को पलंग पर लिटाकर नीचे सड़क तक लाया गया। इसके बाद उन्हें उदयपुर के एमबी अस्पताल पहुंचाया गया। इससे पहले मंगलवार शाम करीब छह बजे भी तेंदुए ने गांव के 45 वर्षीय लोगर लाल मीणा पर हमला किया था। लोगर लाल घर के बाहर बैठे थे, तभी पास में घात लगाकर बैठे तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। उनके शोर मचाने पर तेंदुआ भाग गया। हमले में उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर पंजों के निशान आए थे। उन्हें भी अस्पताल ले जाया गया था। लगातार दूसरे दिन तेंदुए के हमले से उमरड़ा खेड़ा और आसपास के इलाकों में ग्रामीणों में भय बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ समय से क्षेत्र में तेंदुए की आवाजाही बनी हुई है। अब वह जंगल और पहाड़ी क्षेत्र तक सीमित न रहकर आबादी वाले इलाकों में भी पहुंच रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में पिंजरा लगाने और तेंदुए की गतिविधियों पर लगातार नजर रखने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार हो रहे हमलों को देखते हुए तेंदुए को जल्द पकड़ना जरूरी है, ताकि किसी बड़ी घटना को रोका जा सके।

हनुमानगढ़ में 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत 3,000 नशीली गोलियों के साथ तस्कर गिरफ्तार

हनुमानगढ़, एजेंसी। पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस टीम ने गश्त के दौरान संदिग्ध तस्कर पहचान भीमसेन उर्फ कान्हा को दबोचकर उसके पास से 3,000 प्रतिबंधित प्रेगाबालिन टैबलेट जब्त की हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है, ताकि नशीली दवाओं के इस अवैध नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके। गश्त के दौरान एएसआई कैलाशचंद्र और उनकी टीम हनुमानगढ़ के एचएमएच नहर पटड़ा क्षेत्र के पास मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस टीम को वहां एक व्यक्ति की गतिविधियां अत्यधिक संदिग्ध दिखाई दीं। पुलिसकर्मियों ने तुरंत उस व्यक्ति को घेराबंदी कर रोक लिया। पूछताछ के दौरान वह संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया, जिसके बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर उसकी गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान उस व्यक्ति के पास से 3,000 प्रतिबंधित प्रेगाबालिन टैबलेट की खेप बरामद की गई। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी की पहचान भीमसेन उर्फ कान्हा पुत्र नेमीचंद के रूप में हुई है। आरोपी हनुमानगढ़ टाउन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड नंबर 4, कोहला का निवासी है। जिले में नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत यह बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस द्वारा अवैध नशीली दवाओं की बिक्री और तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। आरोपी भीमसेन उर्फ कान्हा को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पूरे मामले की गहन जांच एएसआई कर्मजीत सिंह कर रहे हैं।

राजस्थान: अरावली उच्चाधिकार प्राप्त समिति की जन-सुनवाई प्रक्रिया पर सवाल

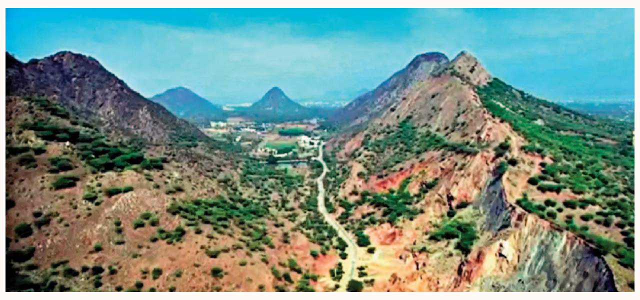

जयपुर, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त अरावली उच्चाधिकार प्राप्त समिति की जन-सुनवाई और क्षेत्र भ्रमण को लेकर राजस्थान के तीन जनप्रतिनिधियों ने सवाल उठाए हैं। बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और सीकर सांसद अमराराम ने समिति को पत्र लिखकर 31 अगस्त की रिपोर्ट की समयसीमा बढ़ाने और प्रभावित गांवों में व्यापक जन-सुनवाई की मांग की है। राजकुमार रोत ने आरोप लगाया कि समिति ने गुड़गांव, अलवर, अजमेर और उदयपुर में ही जन-सुनवाई की, जिससे दूरदराज के आदिवासी और ग्रामीण अपनी बात नहीं रख सके। उन्होंने कहा कि उदयपुर की सुनवाई का समय अचानक बदलने से बांसवाड़ा, डूंगरपुर, सिरोही, प्रतापगढ़ और चित्तौड़गढ़ के ग्रामीण प्रभावित हुए। रोत ने कोटपूतली-बहरोड़ के जोधपुरा गांव का दौरा नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने मांग की कि सभी अरावली जिलों में ग्रामीणों से आमने-सामने बातचीत की जाए और स्वतंत्र स्वास्थ्य व पर्यावरण अध्ययन होने तक नए खनन पट्टों पर रोक लगाई जाए। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि अरावली क्षेत्र में शामिल राजस्थान के जिलों को लेकर अलग-अलग सरकारी रिपोर्टों में अंतर है। उन्होंने आरोप लगाया कि समिति की फील्ड ट्रिप में खनन और स्टोन क्रशिंग से प्रभावित गांवों के बजाय अधिकारियों और उद्योग से जुड़े लोगों की बात ज्यादा सुनी गई। जूली ने कोटपूतली के जोधपुरा गांव का उदाहरण देते हुए कहा कि रूट प्लान में शामिल होने के बावजूद समिति वहां नहीं गई।

निम्स यूनिवर्सिटी हॉस्टल से कूदा बीटेक छात्र आदित्य, मौके पर ही तोड़ा दम

जयपुर, एजेंसी। चंदवाजी थाना क्षेत्र में स्थित निम्स यूनिवर्सिटी में बीटेक प्रथम वर्ष के एक छात्र ने हॉस्टल की पंद्रहवीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। मृतक छात्र की पहचान उत्तर प्रदेश के लखनऊ निवासी 18 वर्षीय आदित्य तिवारी के रूप में हुई है। आदित्य निम्स यूनिवर्सिटी में बीटेक प्रथम वर्ष का छात्र था। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। आदित्य निम्स यूनिवर्सिटी के गार्नेक हॉस्टल में अपने रूम पार्टनर मयंक यादव और अंकित सिंह के साथ रहता था। हादसे के समय दोनों रूम पार्टनर कमरे में मौजूद नहीं थे। बताया जा रहा है कि दोनों कॉलेज के बाहर घूमने गए हुए थे। इसी दौरान उसने मंगलवार देर शाम को हॉस्टल की पंद्रहवीं मंजिल से छलांग लगा दी। ऊंचाई से गिरने के कारण आदित्य ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, आदित्य पिछले दो दिनों से कॉलेज भी नहीं जा रहा था। पुलिस ने छात्र का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। लेकिन मोबाइल लॉक होने के कारण फिलहाल उसकी जांच नहीं हो सकी है। पुलिस मोबाइल की जांच के साथ ही जान देने के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। फिलहाल छात्र के जान देने के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है और पुलिस विभिन्न एंगल से मामले की जांच में जुटी है। चंदवाजी थानाधिकारी राजबीर सिंह ने बताया कि आदित्य के शव को निम्स हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है। आदित्य के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। उनके आने के बाद पोस्टमार्टम और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हॉस्टल में रहने वाले अन्य छात्रों से भी पूछताछ कर रही है ताकि आदित्य की मानसिक स्थिति और पिछले दो दिनों की गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

कूनो से राजस्थान पहुंचे 2 चीते, शाहबाद में बकरियों का शिकार किया

• जयपुर, एजेंसी।

मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से निकलकर दो चीते राजस्थान की सीमा में दाखिल हो गए हैं। 'OKAD 1' और 'OKAD 2' नाम के ये दोनों चीते इन दिनों राजस्थान के बारां जिले के शाहबाद वन क्षेत्र में मौजूद हैं। राजस्थान सीमा में प्रवेश करते ही दोनों चीतों ने तेलनी वनखंड 'डी' में दो बकरियों का शिकार किया। शिकार की खबर मिलते ही वन महकमा तुरंत हरकत में आ गया।

शिकार की पहली तस्वीर आई सामने

चीतों द्वारा खुले जंगल में शिकार करने की तस्वीरें पहली बार कैमरे में कैद हुई हैं। यह घटना इसलिए भी बेहद अहम मानी जा रही है क्योंकि ठीक एक दिन पहले ही मादा चीता 'वीरा' की कूनो में सुरक्षित घर वापसी हुई है। वीरा भी कई दिनों से राजस्थान की सीमा में घूम रही थी। वीरा के जाने के तुरंत बाद OKAD 1 और OKAD 2 के शाहबाद में डेरा डालने से यह बात साफ हो गई है कि चीते राजस्थान के जंगलों को अपने कॉरिडोर और टेरिटरी के रूप में देख रहे हैं।

रेडियो कॉलर से 24 घंटे निगरानी

जानकारी मिलते ही डीएफओ विवेकानंद बड़े के निर्देशन में शाहबाद क्षेत्र के रेंजर मुकेश सुमन टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। कूनो नेशनल पार्क से आई विशेषज्ञों की विशेष टीम भी दोनों चीतों की हर गतिविधि पर 24 घंटे नजर रख रही है।

रेडियो कॉलर आईडी के जरिये इनकी लोकेशन लगातार ट्रैक की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके और मवेशी मालिकों को हुए नुकसान का सही आकलन किया जा सके।

ग्रामीणों के लिए अलर्ट जारी

चीतों के खुले जंगल में इस तरह मूवमेंट और शिकार को देखते हुए वन विभाग ने शाहबाद और आसपास के इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी है। रेंजर मुकेश सुमन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे जंगलों के आसपास अपने मवेशियों को अकेला न छोड़ें। उन्होंने ग्रामीणों से कहा है कि चीतों की मौजूदगी या किसी भी तरह की हलचल दिखने पर वे तुरंत वन विभाग को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

चार दिन पहले वीरा भी पहुंची थी

खास बात यह है कि करीब चार दिन पहले मादा चीता वीरा भी इसी इलाके के जंगलों में घूमती देखी गई थी। बाद में वह वापस मध्य प्रदेश की ओर चली गई। अब दो और चीतों के राजस्थान पहुंचने के बाद वन विभाग ने शाहाबाद क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है। डीएफओ विवेकानंद बाड़े चीतों की गतिविधियों की निगरानी कर रहे हैं। वनकर्मियों की टीमें भी लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही हैं।

चीतों के लिए अनुकूल है शाहाबाद का जंगल

शाहाबाद के जंगलों में लगातार चीतों की मौजूदगी को वन विभाग इलाके के अनुकूल वन आवास का संकेत मान रहा है। हालांकि, ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए विभाग ने लोगों से चीतों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है।वन विभाग ने ग्रामीणों से कहा है कि वे चीतों को देखने के लिए भीड़ न लगाएं और किसी भी तरह की गतिविधि या चीते के दिखाई देने की सूचना तुरंत वन अधिकारियों को दें।

'बेटी ने आत्महत्या नहीं की, हत्या हुई': त्विषा की मौत पर CBI की चार्जशीट से पिता नाराज

जयपुर, एजेंसी। मॉडल-एक्टर त्विषा शर्मा की मौत के मामले में सीबीआई की चार्जशीट दाखिल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। सीबीआई ने अपनी जांच में त्विषा की मौत को आत्महत्या बताया है। हालांकि, त्विषा के पिता नवनिधि शर्मा ने जांच और चार्जशीट के निष्कर्षों पर असंतोष जताया है। त्विषा के पिता नवनिधि शर्मा ने बताया कि वह सीबीआई की चार्जशीट से संतुष्ट नहीं हैं और मामले को लेकर अदालत का रुख करेंगे। उन्होंने दावा किया कि उनकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या हुई है। त्विषा के पिता ने कहा कि सीबीआई जैसी बड़ी जांच एजेंसी होने के बावजूद जांच में एम्स की पोस्टमार्टम रिपोर्ट को आधार बनाया गया है। उन्होंने कहा कि वह सीबीआई की जांच से संतुष्ट नहीं हैं और मामले के कई पहलुओं की गहन जांच की जरूरत है। नवनिधि शर्मा ने कहा कि वह अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि ट्विशा की मौत को आत्महत्या बताना सही नहीं है और वह सीबीआई के निष्कर्ष को अदालत में चुनौती देंगे।

राजस्थान: जेल में ब्रांडेड कपड़े, मोबाइल और गैंगस्टरों का नेटवर्क! बंदी की किताब से अजमेर जेल पर उठे बड़े सवाल

• अजमेर, एजेंसी।

अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में बंद हार्डकोर बंदी योगेश चारणवासी की जनवरी 2026 में ऑनलाइन प्रकाशित किताब 'जेल में ब्रांडेड कफन' ने जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। झुंझुनूं निवासी चारणवासी ने अपनी किताब में जेल के अंदर गैंगस्टरों के कथित प्रभाव, मोबाइल फोन के इस्तेमाल और जेल से बाहर आपराधिक नेटवर्क चलने को लेकर कई गंभीर दावे किए हैं। हालांकि, जेल प्रशासन ने किताब में किए गए इन दावों की पुष्टि से इनकार किया है। किताब में दावा किया गया है कि कड़ी सुरक्षा के बावजूद जेल में बंद कुख्यात अपराधियों तक ब्रांडेड कपड़े और जूते पहुंचते हैं। चारणवासी ने एक प्रहरी पर एक लाख रुपये लेकर मोबाइल फोन उपलब्ध कराने का सीधा आरोप भी लगाया है। उसके मुताबिक, गैंगस्टर जेल के अंदर मोबाइल फोन के जरिए अपनी प्रेमिकाओं और दूसरे लोगों से बातचीत करते हैं। किताब में यह भी दावा किया गया है कि मोबाइल फोन के जरिए जेल के अंदर से ही बाहर चल रहे अपराध के नेटवर्क को संचालित किया जाता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और जेल प्रशासन ने भी इन दावों को सही नहीं माना है। किताब में साल 2021 के दौरान इसी जेल में बंद रहे कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भी जिक्र है। चारणवासी का दावा है कि लॉरेंस बिश्नोई से मुलाकात करने के लिए कुछ बंदियों ने करीब 20 दिन तक भूख हड़ताल की थी। चारणवासी ने किताब में अलग-अलग आपराधिक गिरोहों के बीच कथित संबंधों और उनके नेटवर्क को लेकर भी विस्तार से लिखा है। उसके खिलाफ अलग-अलग राज्यों में 15 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज होने की बात सामने आई है।

मिस यूनिवर्स इंडिया-2026: केजिया लिज मेजो का युवाओं को संदेश, शिक्षा से लोकतंत्र तक कही बड़ी बात

• जयपुर, एजेंसी।

मिस यूनिवर्स इंडिया-2026 का खिताब जीतने के बाद केजिया लिज मेजो ने युवाओं, देश में उठ रही आवाजों, लोकतांत्रिक भागीदारी और शिक्षा को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी के पास बदलाव लाने की ताकत, दृष्टि और साहस है। युवाओं को केवल सपने देखने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपनी क्षमता पर विश्वास करते हुए बड़े लक्ष्य तय करने चाहिए।

'आसान सपना बड़ा नहीं होता'

केजिया ने युवाओं से कहा कि अगर कोई सपना आसानी से पूरा होता हुआ दिखाई दे रहा है तो शायद वह सपना पर्याप्त बड़ा नहीं है। उनके मुताबिक, असंभव लगने वाले लक्ष्य के लिए वर्षों तक मेहनत करने की तैयारी ही असली सपने की पहचान है। उन्होंने अपने उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा कि 19 साल की उम्र में मिस यूनिवर्स के मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना कभी असंभव लगता था, लेकिन आज वह उसी मुकाम पर खड़ी हैं।

आवाज उठाना लोकतंत्र की ताकत

देश में हो रहे आंदोलनों और अलग-अलग मुद्दों पर युवाओं की आवाज को लेकर केजिया ने कहा कि आज की पीढ़ी की आवाज उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने लोकतंत्र में अपनी बात रखने, सवाल उठाने और अपने सहज क्षेत्र से बाहर निकलकर सही काम के लिए आवाज उठाने को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत इसी में है कि लोग अपनी आवाज का इस्तेमाल करें और बदलाव के लिए आगे आएं। उनके मुताबिक, एक आवाज जब कई लोगों की आवाज के साथ जुड़ती है तो वह बदलाव की ताकत बन जाती है।

भारत की विविधता को बताया सबसे बड़ी ताकत

केजिया ने भारत की एकता को भी देश की सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि भारत के अलग-अलग हिस्सों की संस्कृति और जीवनशैली भले ही अलग हो, लेकिन देश के हर हिस्से में उन्हें अपनापन और सम्मान मिला है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया को यह संदेश दे सकता है कि अलग-अलग होने के बावजूद एक साथ खड़ा होना क्या होता है।

शिक्षा को बताया बदलाव का आधार

शिक्षा को लेकर केजिया ने कहा कि शिक्षा में दुनिया और देश को बदलने की शक्ति है। उन्होंने चिंता जताई कि आज भी कई लड़के और लड़कियां शिक्षा के अवसर से वंचित हैं।

सुप्रीम कोर्ट: राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को पद से हटाने की मांग, जज ने सीजेआई को लिखा पत्र

• नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस संदीप मेहता ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत से आग्रह किया है कि वे राजस्थान हाईकोर्ट के प्रमुख के तौर पर किसी दूसरे हाईकोर्ट से एक नियमित मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करें। उन्होंने राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा पर कई आरोप भी लगाए हैं। एक प्रमुख विधि पोर्टल 'लाइव लॉ' की रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस मेहता ने 2, 10 और 17 अगस्त को लिखे तीन पत्रों में जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को तुरंत हटाने की मांग की। उन पर प्रशासनिक शक्तियों के कथित दुरुपयोग, मामलों की सूची तैयार करने में हेरफेर और कुछ वकीलों व पक्षों के प्रति पक्षपात करने का आरोप लगाया गया।

राजस्थान हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत होकर पहुंचे जस्टिस मेहता ने कथित तौर पर कई बार सीजेआई से किसी दूसरे राज्य से नए मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति के लिए मंजूरी मांगी है। उन्होंने चेतावनी दी है कि ऐसा न करना 'संस्थान के हित के पूरी तरह खिलाफ' है। जस्टिस मेहता ने एक पत्र में कहा, 'मैं आपसे बार-बार अनुरोध कर रहा हूं कि राजस्थान हाईकोर्ट के लिए किसी दूसरे राज्य से मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति का फैसला लें, ताकि इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को रोका जा सके। मेरी राय में, इस अनुरोध को लगातार नजरअंदाज करना संस्थान के हित के पूरी तरह खिलाफ है।' 2 अगस्त के अपने पत्र में जस्टिस मेहता ने राजस्थान के अपने दौरों का जिक्र किया और दावा किया कि राजस्थान हाईकोर्ट के कई जजों ने उनसे मुलाकात की और जस्टिस शर्मा के कथित व्यवहार पर नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि जस्टिस शर्मा अक्सर अपने साथी जजों को बदले की कार्रवाई, जैसे स्थानांतरण की धमकी देते हैं। जस्टिस मेहता ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के न्यायिक और प्रशासनिक कामकाज के तरीके की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि उनके व्यवहार से 'नेतृत्व के गुणों की पूरी तरह कमी' जाहिर होती है।

मामलों की सूची और प्रशासनिक शक्तियों पर आरोप

10 अगस्त के पत्र में जस्टिस मेहता ने कुछ वकीलों और पक्षों के प्रति कथित पक्षपात के कई मामलों का जिक्र किया और जस्टिस शर्मा द्वारा मामलों की सूची और प्रशासनिक शक्तियों के इस्तेमाल पर सवाल उठाए। पत्र में एक आपराधिक मामले में दिए गए आदेश का भी जिक्र किया गया और आरोप लगाया गया कि जिस तरह से मामले को निपटाया गया, उससे कुछ पक्षों के प्रति पक्षपात का संकेत मिलता है। जस्टिस मेहता ने कहा कि इन सभी मामलों को एक साथ देखने पर 'कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश द्वारा शक्तियों के दुरुपयोग' का संकेत मिलता है। 17 अगस्त के अपने पत्र में जस्टिस मेहता ने कहा कि उन्होंने जस्टिस शर्मा के कथित 'घोर कुप्रबंधन' और 'गंभीर रूप से संदिग्ध गतिविधियों' के बारे में सीजेआई को पहले ही बता दिया था। उन्होंने सवाल किया कि उन्हें कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के तौर पर काम जारी रखने की इजाजत क्यों दी जा रही है। इस चिट्ठी में राजस्थान हाईकोर्ट के एक मौजूदा जज की तरफ से मिली जानकारी का भी जिक्र था।

गोल्ड ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का झांसा: 12 करोड़ की ठगी; दिल्ली से आरोपी गिरफ्तार

• जयपुर, एजेंसी।

राजस्थान स्टेट साइबर क्राइम थाना पुलिस ने फर्जी ऑनलाइन गोल्ड ट्रेडिंग वेबसाइट के जरिए 12 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में एक और आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भोपाल निवासी विशाल शर्मा के रूप में हुई है।

आरोप है कि उसने कमीशन के लालच में साइबर ठगों को अपना बैंक खाता उपलब्ध कराया था। इस मामले में गिरोह के चार आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। साइबर अपराध के अतिरिक्त महानिदेशक विजय कुमार सिंह ने बताया कि साइबर ठगों ने परिवादी से कुल 12 करोड़ 9 लाख 65 हजार 512 रुपये की ठगी की थी। पुलिस के अनुसार, साइबर ठगों ने 25 सितंबर 2025 को परिवादी के व्हाट्सएप नंबर पर एक वेबसाइट का लिंक भेजा था। इस वेबसाइट पर ऑनलाइन गोल्ड ट्रेडिंग और आकर्षक रिटर्न का प्रचार किया जा रहा था। झांसे में आने के बाद परिवादी ने वेबसाइट पर अपना खाता बनाया। इसके बाद कथित कस्टमर सर्विस के निर्देश पर परिवादी ने अलग-अलग बैंक खातों में पैसे जमा कर निवेश करना शुरू कर दिया। 7 अक्टूबर से 4 नवंबर 2025 के बीच उसने विभिन्न बैंक खातों में करीब 6 करोड़ रुपये जमा कर दिए। आरोपियों ने परिवादी का भरोसा जीतने के लिए फर्जी वेबसाइट के वर्चुअल वॉलेट में उसकी रकम पर मुनाफा दिखाना शुरू कर दिया। कुछ समय बाद वर्चुअल वॉलेट में कुल रकम बढ़ाकर करीब 9.42 करोड़ रुपये प्रदर्शित की गई। इससे परिवादी को लगा कि उसके निवेश पर अच्छा मुनाफा हो रहा है।

पैसे निकालने के लिए फिर मांगी रकम

जब परिवादी ने 7 नवंबर को वर्चुअल वॉलेट से 5 करोड़ 2 लाख 84 हजार 784 रुपये निकालने का प्रयास किया तो ठगों ने नई चाल चल दी। आरोपियों ने आयकर प्रसंस्करण और अलग-अलग शुल्क के नाम पर परिवादी से अतिरिक्त रकम जमा कराने को कहा। इसके बाद परिवादी ने 10 से 26 नवंबर के बीच आरोपियों द्वारा बताए गए बैंक खातों में और पैसे जमा कर दिए।

गबन के आरोप

बुटाटी मंदिर के चढ़ावे पर उठे सवाल: अध्यक्ष समेत 11 पर एफआईआर; 22.74 करोड़ की वित्तीय अनियमितता का आरोप

• नागौर, एजेंसी।

नागौर के विश्वविख्यात बुटाटी धाम स्थित संत चतुरदास महाराज मंदिर में व्यवस्थाओं और वित्तीय हिसाब-किताब को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। न्यायालय के आदेश के बाद कुचेरा थाना पुलिस ने बुटाटी मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राठौड़ सहित 11 पदाधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत में वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 के रिकॉर्ड के आधार पर करीब 22.74 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता और कथित गबन के आरोप लगाए गए हैं।

15.16 करोड़ की अनियमितता का दावा

शिकायत के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 के रिकॉर्ड की जांच में करीब 15.16 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता सामने आने का दावा किया गया। वहीं, 2024-25 का रिकॉर्ड जांच समिति को उपलब्ध नहीं कराने का आरोप है।

36 किलो चांदी के हिसाब पर उठे सवाल

मंदिर में रखे सोने-चांदी और अन्य कीमती सामान के रिकॉर्ड को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। परिवाद के मुताबिक, पुराने रिकॉर्ड में करीब 36 किलो चांदी का स्पष्ट हिसाब नहीं मिला, जबकि बाद के रिकॉर्ड में करीब 35.500 किलो चांदी की खरीद दर्शाई गई। शिकायत में इन संपत्तियों की अनुमानित कीमत करीब 2.60 करोड़ रुपये बताई गई है।

भोजनशाला और रसोई के खर्च पर भी सवाल

जांच में भोजनशाला निर्माण पर करीब 49.49 लाख रुपये खर्च दिखाए जाने की बात सामने आई। वहीं रसोई पर 2023-24 में करीब 26.99 लाख और 2024-25 में करीब 90.64 लाख रुपये खर्च दर्शाए जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं।

ग्राम विकास के 31 लाख रुपये पर मांगा हिसाब

ग्राम विकास के नाम पर करीब 31.27 लाख रुपये खर्च दिखाने का आरोप है। शिकायतकर्ता ने इन पैसों से हुए काम, ठेकेदार, बिल और मौके पर कराए गए कार्यों से जुड़े दस्तावेजों पर सवाल उठाए हैं।

नागौर पर 82 लाख खर्च, टेंडर पर भी सवाल

मंदिर परिसर में नागौर कैमरों की खरीद और रखरखाव पर करीब 82.41 लाख रुपये खर्च किए जाने का आरोप है। शिकायत में दावा किया गया है कि खरीद में सार्वजनिक टेंडर प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया।

किराए और एटीएम की रकम का भी मामला

सुलभ कॉम्प्लेक्स से करीब 18.12 लाख रुपये की किराया आय खातों में दर्ज नहीं मिलने का आरोप है। वहीं एटीएम से करीब 1.40 लाख रुपये प्राप्त होने और मंदिर के खाते में जमा होने के बावजूद उसका पूरा लेखा-जोखा दर्ज नहीं करने का आरोप लगाया गया है।

एफआईआर के बाद अब पुलिस खंगालेगी दस्तावेज

न्यायालय के आदेश के बाद कुचेरा थाना पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने दो लोगों के बयान भी दर्ज किए हैं। अब बैंक रिकॉर्ड, बिल-वाउचर, वित्तीय दस्तावेज और अन्य अभिलेखों की जांच की जाएगी।

'जांच के आधार पर होगी कार्रवाई'

नागौर एसपी आशाराम चौधरी ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर कुचेरा थाने में 11 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। दो लोगों के बयान लिए जा चुके हैं और मामले की जांच जारी है। पुलिस जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। आरोपों की वास्तविकता और कथित वित्तीय अनियमितता की अंतिम स्थिति जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

'पीएम नरेंद्र मोदी ने 2,500 की भेजी कोथली', रेखा गुप्ता बोलीं- जब सीएम बनी तो लग रहा था डर

• नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षाबंधन के मात्र दो दिन पहले और ईद ए मिलाद उन नबी के अवसर पर बुधवार को दिल्ली में लक्ष्मी योजना का शुभारंभ कर दिया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'चार बहनों और एक भाई वाले सामान्य परिवार की इस बहन को मोदीजी ने दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया है। जब मैं मुख्यमंत्री बनी थी तो घबराई हुई थी। मगर डेढ़ साल में मेरी सरकार ने बहुत सारे काम किए हैं। महिलाओं के लिए बहुत सारी योजनाएं शुरू की हैं।'

वहीं, सीएम रेखा गुप्ता ने महिलाओं से कहा कि तीज के मौके पर मोदी जी ने 2500 की कोथली (मुख्य रूप से हरियाणा, राजस्थान और उत्तर भारत के अन्य क्षेत्रों में सावन या तीज के अवसर पर मायके से बेटी के ससुराल भेजी जाने वाली एक पारंपरिक भेंट और रस्म है।) आप सभी के लिए भिजवाई है। कार्यक्रम के दौरान योजना के तहत आवेदन करने वाली महिलाओं को प्रमाणपत्र प्रदान दिए गए। महिलाओं के खातों में योजना की राशि 1 सितंबर से आनी शुरू हो जाएगी।

कार्यक्रम में 2500 महिलाओं को आमंत्रित किया गया। इस मौके पर 65 महिलाओं को मंच पर बुलाए प्रमाणपत्र दिए गए। इस बीच मुख्यमंत्री ने महिलाओं से पूछा कि आप सभी लोग खुश हो न? मुख्यमंत्री ने इस मौके पर महिलाओं को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आप सबके हक की लड़ाई के लिए आप की बहन रेखा गुप्ता हर समय तत्पर है।

इस मौके पर उपराज्यपाल तरनजीत सिंह ने भी दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए दिल्ली की महिलाओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने महिलाओं के सम्मान में गुरु नानकदेव जी के संदेश का भी जिक्र किया। कहा कि हमारे घर में महिलाओं को गृह लक्ष्मी कहा जाता है। दिल्ली लक्ष्मी योजना इसी भावना को सामने लाती है।

धूमधाम से मनाया गया ईद-ए-मिलाद-उन-नबी, रहे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

• नई दिल्ली, एजेंसी

ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के मौके पर दिल्ली में अलग-अलग इलाकों से जुलूस निकाले गए। जुलूसों को लेकर दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। सभी जिलों में जुलूस निर्धारित रूट से गुजर रहे हैं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

शाहदरा जिले में भी कई स्थानों से जुलूस निकाले जा रहे हैं। शाहदरा के डीसीपी आरपी मीना के मुताबिक, सीमापुरी थाना क्षेत्र में चार जुलूस निकाले जा रहे हैं। इसके अलावा गांधी नगर सब-डिवीजन के तीनों थाना क्षेत्रों और जगतपुरी थाना क्षेत्र में भी जुलूस आयोजित किए गए हैं।

शाहदरा जिले में करीब 10 स्थानों से जुलूस निकल रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस की मोटरसाइकिल पेट्रोलिंग टीमें तैनात की गई हैं। जुलूस के रूट पर पड़ने वाले प्रमुख इंटरसेक्शन पर भी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि यातायात और कानून-व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा जा सके। जगतपुरी से शुरू होने वाला जुलूस गीता कॉलोनी थाना क्षेत्र में पहुंचकर समाप्त होगा। इसे देखते हुए जगतपुरी और गीता कॉलोनी थाना पुलिस की टीमें मौके पर तैनात की गई हैं। पुलिसकर्मी पूरे रूट पर लगातार निगरानी कर रहे हैं।

शाहदरा के डीसीपी आरपी मीना ने बताया कि जुलूसों को लेकर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पुलिस की मोटरसाइकिल टीमें लगातार पेट्रोलिंग कर रही हैं और थानों के पर्याप्त स्टाफ को ड्यूटी पर लगाया गया है। सभी प्रमुख इंटरसेक्शन पर पुलिसकर्मी मौजूद हैं, जिससे जुलूस शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

डीटीसी बस ड्राइवर बनकर छिपा था मनचला, भगोड़ा गिरफ्तार

• नई दिल्ली, एजेंसी

द्वारका जिला पुलिस ने अलग-अलग मामलों में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें महिला से छेड़छाड़ के मामले में सुनवाई से बच रहा घोषित अपराधी कमल डीटीसी बस चालक बनकर छुपकर रह रहा था। पुलिस ने उसे आनंद विहार बस अड्डे से गिरफ्तार किया। अदालत ने उसे वर्ष 2025 में भगोड़ा अपराधी घोषित किया था। इसके बाद से वह गिरफ्तारी से बच रहा था।

द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत एसीपी ऑपरेशन सुभाष मलिक की निगरानी में एंटी-जेल बेल एंड प्रोक्लेम्ड आफेंडर सेल के प्रभारी निरीक्षक हरीश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। टीम में हेड कांस्टेबल राहुल यादव और कांस्टेबल अंकुर शामिल थे। पुलिस के अनुसार कमल (39) के खिलाफ डाबरी थाने में वर्ष 2021 में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। उस पर भारतीय दंड संहिता की धारा 354ए और 324 के तहत मामला दर्ज था। मामले की सुनवाई के दौरान वह लगातार अदालत में पेश नहीं हुआ। इसके बाद द्वारका कोर्ट की न्यायिक मजिस्ट्रेट वैशाली सिंह की अदालत ने 17 अप्रैल 2025 को उसे भगोड़ा अपराधी (पीओ) घोषित कर दिया था।

दिल्ली में बारिश ने खोली NDMC की पोल? चेयरमैन ने जलभराव पर मांगी माफी, बोले- सिस्टम मजबूत करेंगे

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र में 25 अगस्त को तेज वर्षा के बाद कई इलाकों में हुए जलभराव को लेकर एनडीएमसी चेयरमैन मनोज कुमार द्विवेदी ने खेद जताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर जलभराव के कारण नागरिकों को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी।

उन्होंने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में एनडीएमसी जलभराव को 15 से 20 मिनट में दूर करने में सक्षम रहती है, लेकिन इस बार कम समय में हुई अत्यधिक वर्षा के कारण तीन-चार स्थानों पर पानी निकालने में एक घंटे से अधिक समय लगा। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को कनाट प्लेस, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, रफी मार्ग समेत कई स्थानों पर जलभराव हुआ था।

चेयरमैन ने बताया कि दो घंटे से भी कम समय में 72 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई, जो अपेक्षा से काफी अधिक थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसे व्यवस्था की कमी का बहाना नहीं बनाया जा सकता। भविष्य में इस तरह की परिस्थितियों से निपटने के लिए एनडीएमसी को अपने सिस्टम को और मजबूत करना होगा। मनोज द्विवेदी ने कहा कि जलभराव की समस्या से स्थायी रूप से निपटने के लिए परिषद की ओर से अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों स्तर पर उपाय किए जाएंगे। एनडीएमसी क्षेत्र को पूरी तरह जलभराव मुक्त बनाने की दिशा में काम किया जाएगा, ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो।

उन्होंने कहा कि एनडीएमसी नागरिकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो, इसके लिए जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

खिचड़ीपुर फ्लाईओवर पर सड़क हादसे में बैंककर्मी की मौत, अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी पुलिस

• नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर थाना क्षेत्र में खिचड़ीपुर फ्लाईओवर पर मंगलवार रात हुए सड़क हादसे में 24 वर्षीय नितिन की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया।

पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे की वजह पता लगाने के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

परिजनों के मुताबिक नितिन जनकपुरी में रहता था और एक बैंक में नौकरी करता था। मंगलवार रात वह अपने होमटाउन गाजियाबाद से बाइक से जनकपुरी स्थित अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान खिचड़ीपुर फ्लाईओवर पर वह सड़क हादसे का शिकार हो गया। हादसा इतना गंभीर था कि नितिन की मौके पर ही या अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास मौजूद लोगों से भी जानकारी जुटाई। प्रारंभिक जांच में किसी अज्ञात वाहन की टक्कर की बात सामने आई है। हालांकि हादसा किस वाहन से और किस परिस्थिति में हुआ, इसकी पुष्टि पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

डीसीपी राजीव कुमार ने बताया कि, इस मामले में अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस हादसे की पूरी परिस्थितियों की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि दुर्घटना किस वाहन की वजह से हुई। घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही

कूरियर से कनाडा भेजी जा रही थी अफीम, बदले में मिल रहे थे हथियार

• नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग स्मगलिंग और हथियार तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। जांच में खुलासा हुआ है कि भारत से कूरियर के जरिए कनाडा अफीम भेजी जा रही थी और इसके बदले में खालिस्तानी आतंकी गतिविधियों के लिए हथियार मंगाए जा रहे थे।

यह पूरा नेक्सस नामित खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श डाला द्वारा चलाया जा रहा था, जो खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) का प्रमुख है। विशेष पुलिस आयुक्त (क्राइम) एचजीएस धालीवाल ने बताया कि इस रैकेट का मकसद केटीएफ की आतंकी गतिविधियों के लिए फंडिंग और हथियार जुटाना था। पुलिस ने महीने भर चले इस ऑपरेशन में गिरोह के चार सदस्यों—सिमरनजीत सिंह, हरदीप सिंह, यादविंदर सिंह उर्फ जशन संधू और जीवन सिंह को गिरफ्तार किया है। इनके पास से कुल 5.8 किलोग्राम से अधिक अफीम बरामद की गई है।

पुलिस ने कूरियर चेन को ट्रेस करते हुए पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में छापेमारी कर प्रमुख साजिशकर्ताओं को पकड़ा। एनक्रिप्टेड ऐप्स सिग्नल और कैनेडियन व्हाट्सएप्प के विश्लेषण से इस नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा दिल्ली का चिड़ियाघर

नई दिल्ली। दिल्ली चिड़ियाघर के प्रवेश क्षेत्र को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने प्रवेश क्षेत्र के पुनर्विकास के लिए करीब 58 करोड़ रुपये का निविदा जारी किया है। इसके तहत नया वाहन उतारने का क्षेत्र, सतही पार्किंग, प्रवेश द्वार, पैदल पारपथ, आगंतुक केंद्र और खुले परिसर में कैफेटेरिया बनाया जाएगा। प्रवेश क्षेत्र के बाहरी हिस्से में हरियाली और नए मार्ग भी विकसित किए जाएंगे।

यह परियोजना चिड़ियाघर के करीब 400 करोड़ रुपये के व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम का हिस्सा है। पूरे चिड़ियाघर को चार वर्ष में अलग-अलग चरणों में विकसित करने की योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को बेहतर बनाना और आगंतुकों के अनुभव को सुविधाजनक करना है।

जूडियो फ्रेंचाइजी के नाम पर 39.53 लाख ठगे, साइबर ठगों को खाते देने वाले को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

• नई दिल्ली, एजेंसी

जूडियो की फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर 39.53 लाख रुपये की ठगी के मामले में शाहदरा साइबर थाना पुलिस ने बैंक खाता सप्लायर को बिहार के शेखपुरा से गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान शेखपुरा के मोहसिमपुर गांव निवासी सोनू चौधरी (23) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपित साइबर ठगों को बैंक खाते उपलब्ध कराता था। अब तक की जांच में उसके द्वारा 100 से अधिक बैंक खाते उपलब्ध कराने की बात सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, गांधी नगर निवासी सुशांत जैन ने जूडियो की फ्रेंचाइजी लेने के लिए गूगल पर जानकारी तलाश की थी। इस दौरान वह एक फर्जी वेबसाइट के संपर्क में आ गए, जो ट्रेंट-टाटा और जूडियो की आधिकारिक वेबसाइट जैसी दिखाई देती थी।

इसके बाद राजेश नाम के व्यक्ति ने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताकर उनसे संपर्क किया। आरोपितों ने फ्रेंचाइजी की प्रक्रिया, शुल्क और अन्य मदों के नाम पर अलग-अलग खातों में रकम जमा कराई। पीड़ित ने अपने और पिता के बैंक खातों से कुल करीब 39.53 लाख रुपये आरोपितों के बताए खातों में भेज दिए।

इस संबंध में साइबर शाहदरा थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने रकम के लेनदेन और लाभार्थी खातों की पड़ताल की तो सोनू चौधरी की भूमिका सामने आई। पुलिस टीम ने तकनीकी निगरानी, मोबाइल नंबरों की जांच और डिजिटल फुटप्रिंट के आधार पर उसकी पहचान की।

इंस्पेक्टर विजय कुमार, एसएचओ साइबर शाहदरा के नेतृत्व में एसआइ श्याम बिहारी शरण, एसआइ विवेक यादव, हेड कांस्टेबल सचिन शालोट और हेड कांस्टेबल कपिल की टीम ने बिहार में स्थानीय स्तर पर सत्यापन और निगरानी के बाद आरोपित को दबोच लिया। उसे 12 अगस्त को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में पता चला कि आरोपित अपने संपर्कों के जरिये अलग-अलग लोगों के बैंक खाते हासिल करता था और उन्हें साइबर ठगों को रुपये लेकर उपलब्ध कराता था। इन खातों का इस्तेमाल ठगी की रकम प्राप्त करने, उसे दूसरे खातों में भेजने और निपटाने के लिए किया जाता था। जांच में सामने आया कि उसने पश्चिम बंगाल के नदिया और उत्तर 24 परगना समेत अन्य इलाकों में संपर्कों के माध्यम से 100 से अधिक बैंक खाते जुटाए थे।

पुलिस ने आरोपित के कब्जे से तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनमें बैंक खातों की खरीद-फरोख्त से संबंधित चैट और अन्य डिजिटल साक्ष्य मिले हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों, बैंक खातों के लाभार्थियों और ठगी की पूरी रकम के लेनदेन का पता लगाने में जुटी है।

सरकारी तैयारी

दिल्ली में 35 रुपए किलो मिलेगी प्याज, 1.21 लाख टन का पर्याप्त बफर स्टाक

• नई दिल्ली, एजेंसी

प्याज की बढ़ती कीमतों के बीच दिल्ली में इसे 35 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से उपलब्ध कराने की योजना है। केंद्र सरकार गुरुवार से दिल्ली में बफर स्टॉक का प्याज 35 रुपये प्रति किलो की रियायती दर पर बेचेगी। गौर करने वाली बात यह कि केंद्र सरकार की ओर से यह पहल ऐसे वक्त में की गई है जब देश के कई शहरों में प्याज की खुदरा कीमतें 55 से 60 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं।

1.21 लाख टन का 'बफर स्टॉक'

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी बृहस्पतिवार को दिल्ली में रियायती दर पर प्याज की बिक्री की शुरुआत करेंगे। केंद्र सरकार ने 2026 के लिए प्याज का 1.21 लाख टन का 'बफर स्टॉक' तैयार किया है। इसी स्टॉक से प्याज को बाजार में उतारा जाएगा।

केंद्र सरकार ने प्याज की बढ़ती कीमतों को कम करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार नासिक से 840 टन प्याज एक विशेष ट्रेन के जरिए दिल्ली ला रही है। इसको 'कांदा एक्सप्रेस' नाम दिया गया है। कुल 21 बोगियों में 840 टन प्याज दिल्ली लाई जा रही है।

केंद्र सरकार के इन कदमों से दिल्ली-एनसीआर में प्याज की कीमतें गिरने की संभावना है। सरकार की इस पहल से स्टॉक कर के महंगे दाम पर बिक्री करने वालों को भी झटका लगेगा। बाजार में आवक बढ़ने से प्याज की कीमतों में गिरावट आने की संभावना है।

बफर स्टॉक निकालेगी सरकार

केंद्र सरकार ने राहत देने के लिए एनसीसीएफ और नाफेड के बफर स्टॉक को बाहर निकालने का भी निर्णय लिया है। दिल्ली पहुंचने के बाद प्याज को अन्य शहरों में भी भेजे जाने की संभावना है। इस खुदरा बिक्री का संचालन 3 एजेंसियां भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नाफेड), भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) और केंद्रीय भंडार करेंगी।

एनसीआर के शहरों में भी होगी बिक्री

एनसीसीएफ के प्रबंध निदेशक अनीस जोसेफ चंद्रा ने बताया कि हम गरुवार से दिल्ली में बिक्री शुरू करेंगे। इस वीकेंड तक NCR रीजन के शहरों में भी सस्ते प्याज की बिक्री शुरू की जाएगी। एनसीसीएफ के पास प्याज का करीब 62 हजार टन बफर स्टॉक है। इसमें से महाराष्ट्र के नासिक से 400 टन प्याज रेल के जरिए दिल्ली भेजा जा रहा है।

मोबाइल वैन का भी होगा इस्तेमाल

एनसीसीएफ दिल्ली में केंद्रीय भंडार के 100 स्टोर के जरिए प्याज बेचेगा। वहीं मदर डेयरी के करीब 300 बिक्री केंद्रों के जरिए प्याज बेचने को लेकर भी बातचीत चल रही है। एनसीसीएफ शुरुआत में 15 मोबाइल वैन के जरिए भी प्याज बेचेगा। इनकी संख्या शुक्रवार से बढ़ाकर 40 की जाएगी।

चंडीगढ़, लुधियाना, वाराणसी और अन्य शहरों में होगी बिक्री

एनसीसीएफ के प्रबंध निदेशक अनीस जोसेफ चंद्रा ने कहा कि रेल के जरिए आने वाली प्याज की खेप का इस्तेमाल चंडीगढ़, लुधियाना, वाराणसी और अन्य शहरों में भी बिक्री के लिए की जाएगी।नाफेड के पास 55 हजार टन से कम प्याज का बफर स्टॉक है। वह भी दिल्ली के अलावा कोच्चि और गुवाहाटी समेत अन्य केंद्रों पर रियायती दर पर प्याज बेचेगा।

संक्षिप्त खबरें

उम्रकैद की सजा के खिलाफ ताहिर हुसैन ने हाईकोर्ट का किया रुख

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) हत्या मामले में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन ने निचली अदालत के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। ताहिर हुसैन की अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट अगले सप्ताह सुनवाई कर सकता है।

आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या 2020 के नॉर्थ ईस्ट दिल्ली दंगों के दौरान दयालपुर इलाके में हुई थी। उनका शव चांदबाग इलाके में एक नाले से बरामद किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि अंकित के शरीर पर 40 से ज्यादा घाव थे। इस मामले में ताहिर हुसैन समेत 5 लोगों को कड़कड़डूमा कोर्ट ने 31 जुलाई को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। उम्रकैद की सजा के खिलाफ अब ताहिर हुसैन ने हाईकोर्ट का रुख किया है।

वहीं, अंकित शर्मा के भाई अंकुर शर्मा ने कहा कि हमारी जंग जारी रहेगी। हमारी लीगल टीम भी काम कर रही है। हाईकोर्ट ताहिर हुसैन जाएंगे तो हम भी हाईकोर्ट में लड़ेंगे और हमें भरोसा है कि हमें जीत मिलेगी।

इसके पहले अंकित शर्मा हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा पाए जावेद की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। दिल्ली हाईकोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होगी। जावेद के वकील ने बताया था कि अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि अभियोजन पक्ष घटना के समय आरोपी की भूमिका साबित करने में विफल रहा। इसके बाद दोषी जावेद ने दिल्ली हाईकोर्ट में निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी है।

वहीं, मामले में दोषी ठहराए गए नाजिम और कासिम ने भी निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। 12 अगस्त को जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह और जस्टिस विकास महाजन की बेंच के सामने यह मामला सुना गया। बाद में हाईकोर्ट ने नाजिम और कासिम की सजा के खिलाफ अपील पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया। अदालत ने कहा, "हम नोटिस जारी करेंगे। ये अपीलें 13 जुलाई के उस फैसले से जुड़ी हैं जिसके तहत अपील करने वाले को दोषी ठहराया गया था। उन्हें अलग-अलग धाराओं के तहत उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।"

होटल की चौथी मंजिल से कूदने से 37 वर्षीय व्यक्ति की मौत, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली स्थित एक होटल की चौथी मंजिल से कथित तौर पर कूदने के बाद 37 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 3 बजे पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली कि ले मेरिडियन होटल की चौथी मंजिल पर स्थित स्विमिंग पूल क्षेत्र से एक व्यक्ति ने छलांग लगा दी है। मृतक की पहचान दिविज मारिया (37) के रूप में हुई है, जो नई दिल्ली के निवासी थे।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दिविज मारिया ने करीब छह महीने पहले गुरुग्राम स्थित एक कंपनी की नौकरी छोड़ दी थी। पुलिस के मुताबिक, वह पिछले कुछ महीनों से डिप्रेशन का इलाज भी करा रहे थे। वह विवाहित थे। घटना के बाद उन्हें तुरंत डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना स्थल का निरीक्षण करने के लिए क्राइम टीम को बुलाया गया। टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रख लिया गया है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत जांच संबंधी कार्रवाई शुरू कर दी है और घटना की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

अधिकारियों के अनुसार, घटना से पहले दिविज मारिया की गतिविधियों और अन्य संबंधित पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों का इंतजार है और जांच को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। फिलहाल प्रारंभिक जांच में घटना के पीछे किसी अन्य कारण की पुष्टि नहीं हुई है।

डीएमए ने एनसीआर में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई, जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है। खबरों के अनुसार, अब तक 2000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं।

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन दिल्ली में इन्फ्लूएंजा की स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और इस संक्रमण से होने वाली बीमारी और मौतों की निगरानी कर रही है। इन्फ्लूएंजा के मामलों में मौसमी बढ़ोतरी को देखते हुए डीएमए ने लोगों से सतर्क रहने और बचाव के ज़रूरी उपाय अपनाने की अपील की है। एसोसिएशन ने लोगों को सलाह दी है कि वे सांस से जुड़ी स्वच्छता का ध्यान रखें, साफ-सफाई बनाए रखें, भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें और इन्फ्लूएंजा के लक्षण दिखने पर समय रहते डॉक्टर की सलाह लें।

डीएमए ने स्वाइन फ्लू से संक्रमण से बचने के लिए उपाय बताए हैं। डीएमए ने कहा कि खांसते या छींकते समय अपना मुंह और नाक रूमाल या टिश्यू से ढकें। साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोएं या अल्कोहल-बेस्ड हैंड सैनिटाइज़र का इस्तेमाल करें। बिना धुले हाथों से अपनी आँखों, नाक और मुंह को छूने से बचें। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें, खासकर तब जब इन्फ्लूएंजा का असर ज्यादा हो।

डीएमए ने कहा कि दूसरों से मिलते समय हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, खासकर तब जब फ्लू जैसे लक्षण हों। किसी योग्य डॉक्टर की सलाह के बिना दवाएं, खासकर एंटीबायोटिक्स या एंटीवायरल दवाएं न लें। अगर आपको फ्लू जैसे लक्षण हैं, तो संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए रिश्तेदारों, दोस्तों या अन्य लोगों से मिलने से बचें। डीएमए ने इन्फ्लूएंजा के असर वाले इलाकों से लौटने वाले लोगों को सलाह दी है कि वे कम से कम 10 दिनों तक अपनी सेहत पर नजर रखें और अगर उन्हें फ्लू जैसे लक्षण दिखें तो नज़दीकी हेल्थ सेंटर पर रिपोर्ट करें। भीड़-भाड़ वाली जगहों, बाज़ारों और पब्लिक ट्रांसपोर्ट में फेस मास्क का इस्तेमाल करें।

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने जनता से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, बल्कि सावधान और ज़िम्मेदार रहें। बचाव के आसान उपाय, समय पर मेडिकल सलाह और जिम्मेदार रेस्पिरेटरी हाइजीन इन्फ्लूएंजा के फैलाव को रोकने में काफी मदद कर सकते हैं। एसोसिएशन एच1एन1 से निपटने की सभी कोशिशों में दिल्ली सरकार के साथ मजबूती से खड़ी है।

100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद झपटमार को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को एक स्नैचिंग (झपटमारी) मामले में 25 साल के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 100 से ज़्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के विश्लेषण और लगभग 30 किलोमीटर लंबे रास्ते की जांच-पड़ताल के बाद की गई।

दक्षिण-पश्चिम जिले के सरोजिनी नगर पुलिस स्टेशन की टीम ने नेपाल के रहने वाले आरोपी विकास गुरुंग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान एक चोरी की स्कूटी, सोने का पेंडेंट, चांदी की पायल की एक जोड़ी और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, इस गिरफ्तारी से दिल्ली के अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में दर्ज स्नैचिंग, चोरी और सामान खोने से जुड़े पांच मामलों और घटनाओं को सुलझाने में मदद मिली है।

जांच तब शुरू हुई जब 3 अगस्त को सरोजिनी नगर पुलिस स्टेशन में स्नैचिंग की एक घटना के सिलसिले में एफआईआर दर्ज हुई। इस केस को सुलझाने के लिए एक टीम बनाई गई। पुलिस ने बताया कि टीम ने टेक्निकल और फील्ड जांच की, जिसमें स्थानीय पूछताछ और अलग-अलग जगहों से मिले सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच भी शामिल थी। जांच के दौरान, संदिग्ध व्यक्ति और अपराध में इस्तेमाल हुई गाड़ी की पहचान और मूवमेंट का पता लगाने के लिए 100 से ज़्यादा CCTV कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच की गई। जांच करने वालों ने अलग-अलग कैमरों के फुटेज को जोड़कर एक लगातार विज़ुअल ट्रेल बनाया और लगभग 30 किलोमीटर के रास्ते की फिज़िकल तौर पर पुष्टि की। टेक्निकल एनालिसिस और फील्ड वेरिफिकेशन समेत लगातार 16 दिनों की कोशिशों के बाद पुलिस ने गुरुंग की पहचान की और उसे पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने सरोजिनी नगर केस और झपटमारी व चोरी की कई अन्य घटनाओं में अपनी भूमिका कबूल की। पुलिस ने बताया कि वह इन कथित अपराधों को अंजाम देने के लिए चोरी की स्कूटी का इस्तेमाल कर रहा था। पुलिस के मुताबिक, गुरुंग ने 11वीं क्लास तक पढ़ाई की है और 2022 में नौकरी की तलाश में नेपाल से भारत आया था।

दिल्ली वार्ता

संपादकीय

आयुष्मान का सपना और अस्पतालों की हकीकत

स्वास्थ्य मनुष्य की सबसे बड़ी जरूरत है। रोटी, कपड़ा और मकान के बाद यदि किसी चीज को जीवन की अनिवार्य आवश्यकता कहा जा सकता है तो वह है; स्वास्थ्य और समय पर उपचार। लेकिन विडंबना यह है कि जब कोई गरीब या मध्यमवर्गीय परिवार बीमारी की मार से टूटता है, तब उसे केवल बीमारी से ही नहीं, बल्कि इलाज के खर्च और अस्पताल की व्यवस्था से भी संघर्ष करना पड़ता है। इसी पीड़ा को कम करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) जैसी महत्वाकांक्षी योजना शुरू की। योजना का मूल उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को अस्पताल में भर्ती होकर होने वाले द्वितीयक और तृतीयक उपचार के लिए प्रतिवर्ष प्रति परिवार 5 लाख तक का स्वास्थ्य कवर उपलब्ध कराना है। योजना को कैशलेस और पेपरलेस उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया है। निश्चित रूप से यह योजना करोड़ों जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत बनी है। लेकिन किसी भी जनकल्याणकारी योजना की सफलता केवल उसके बजट, कार्डों की संख्या अथवा लाभार्थियों की संख्या से तय नहीं होती। उसकी असली सफलता तब मानी जाएगी, जब बीमारी से परेशान व्यक्ति अस्पताल पहुंचे और उसे बिना आर्थिक भय के सम्मानजनक, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। यहीं से कुछ गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

पांच लाख की सुरक्षा या पांच लाख की सीमा? आम नागरिक के मन में यह धारणा स्वाभाविक रूप से बनती है कि उसके पास आयुष्मान कार्ड है तो बीमारी की स्थिति में उसे पांच लाख रुपये तक का उपचार बिना भुगतान मिल सकेगा। लेकिन व्यवहार में उपचार की प्रक्रिया, पैकेज, स्वीकृति, बिलिंग और अस्पतालों की भूमिका इतनी जटिल हो जाती है कि कई परिवार स्वयं को असहाय महसूस करने लगते हैं। कई लाभार्थियों द्वारा ऐसी शिकायतें सामने आती रही हैं कि जिस उपचार पर वास्तविक खर्च अपेक्षाकृत कम है, उसके लिए योजना के अंतर्गत अधिक राशि का दावा प्रस्तुत किया गया। कहीं पैकेज की पूरी राशि का उपयोग करने का दबाव दिखाई देता है तो कहीं मरीज और उसके परिजन से ऐसी मदों में पैसा मांगे जाने की शिकायत सामने आती है, जिन्हें उन्हें कैशलेस उपचार का हिस्सा समझा गया था। यहां यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि हर अस्पताल या डॉक्टर को संदेह की दृष्टि से देखना उचित नहीं है। हजारों चिकित्सक और अस्पताल ईमानदारी से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। समस्या उन अपवादों की है जहां किसी गरीब की बीमारी को अवसर और सरकारी स्वास्थ्य योजना को कमाई का माध्यम समझ लिया जाता है। यही अपवाद पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाते हैं। सीएजी की रिपोर्ट ने भी उठाए गंभीर सवाल। यह चिंता केवल आम नागरिकों की शिकायतों तक सीमित नहीं है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की 2023 की निष्पादन लेखापरीक्षा में भी सामने आया कि कुछ सूचीबद्ध अस्पतालों में लाभार्थियों से उपचार के लिए शुल्क लिया गया, जबकि योजना का उद्देश्य लाभार्थियों के जेब से होने वाले खर्च को कम करना है। कुछ अस्पताल निर्धारित न्यूनतम अधो-संरचना और गुणवत्ता मानकों पर भी खरे नहीं उतर रहे थे। इसके अलावा सीएजी की हालिया रिपोर्टों में भी योजना के क्रियान्वयन, लाभार्थी फीडबैक, मेडिकल ऑडिट और दावों की निगरानी से जुड़ी कमियों की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है।अर्थात समस्या काल्पनिक नहीं है। व्यवस्था में सुधार की गुंजाइश स्वयं सरकारी ऑडिट संस्थाओं की रिपोर्टों में दिखाई देती है। सरकार कार्रवाई करती है, लेकिन सवाल है क्या पर्याप्त है? सरकार ने भी अनियमितताओं को लेकर कठोर कदम उठाए हैं। अगस्त 2025 में सरकार द्वारा संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, योजना के अंतर्गत अनियमितताओं के लिए 3, 167 अस्पतालों के विरुद्ध कार्रवाई, 1, 114 अस्पतालों को सूची से बाहर, 549 अस्पतालों को निलंबित किया गया तथा 1, 504 अस्पतालों पर कुल 122 करोड़ का जुर्माना लगाया गया था। यह कार्रवाई निश्चित ही स्वागत योग्य है। लेकिन प्रश्न यह है कि यदि इतनी बड़ी संख्या में अस्पतालों के विरुद्ध कार्रवाई की आवश्यकता पड़ी, तो क्या केवल कार्रवाई करना पर्याप्त है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हम बीमारी का इलाज कर रहे हैं, लेकिन बीमारी पैदा करने वाली व्यवस्था को जस का तस छोड़ रहे हैं?

क्यों न हर जिले में बने 'आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्र'?: यहीं सरकार के सामने एक नए और दूरगामी विकल्प पर विचार करने का समय है। यदि निजी अस्पतालों पर पूरी तरह निर्भरता के कारण योजना के क्रियान्वयन में लगातार समस्याएं आती हैं, तो क्यों न देश के हर जिले में एक समर्पित 'आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्र' या 'आयुष्मान अस्पताल' विकसित किया जाए? जहां अलग-अलग गंभीर बीमारियों के विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध हों। जहां आधुनिक जांच की सुविधा हो। जहां ऑपरेशन और उपचार की पर्याप्त व्यवस्था हो। जहां दवाओं और आवश्यक चिकित्सकीय सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित हो। और सबसे महत्वपूर्ण - जहां आयुष्मान कार्ड दिखाने के बाद पात्र व्यक्ति को योजना के अंतर्गत निर्धारित पैकेज के अनुसार उपचार के लिए किसी बिचौलिए, अतिरिक्त भुगतान या अनावश्यक आर्थिक दबाव का सामना न करना पड़े। यदि प्रत्येक जिले में स्वतंत्र अस्पताल बनाना तत्काल संभव न हो तो जिला अस्पतालों में ही एक समर्पित और पूर्णतः सुसज्जित आयुष्मान यूनिट बनाई जा सकती है। इसका अर्थ निजी अस्पतालों को योजना से बाहर करना नहीं होगा। बल्कि यह एक सरकारी मानक केंद्र के रूप में काम कर सकता है, जिससे निजी अस्पतालों की सेवाओं, पैकेजों, उपचार की गुणवत्ता और बिलिंग व्यवस्था की तुलना तथा निगरानी भी अधिक प्रभावी ढंग से की जा सके।

'पांच लाख' की राशि नहीं, मरीज की जरूरत हो केंद्र में : एक और महत्वपूर्ण सुधार की आवश्यकता है। आयुष्मान योजना की व्यवस्था को इस तरह पारदर्शी बनाया जाना चाहिए कि मरीज और उसके परिजन को पहले से डिजिटल माध्यम पर स्पष्ट जानकारी मिल सके - किस बीमारी का पैकेज कितना है? कौन-सी जांच इसमें शामिल है? कौन-सी दवा इसमें शामिल है? अस्पताल को सरकार से कितनी राशि मिलेगी? और मरीज को अपनी जेब से कितना भी नहीं देना है? यदि उपचार समाप्त होने के बाद मरीज के मोबाइल पर एक डिजिटल विवरण आ जाए कि अस्पताल ने योजना के अंतर्गत कौन-कौन से पैकेज और कितनी राशि का दावा किया है, तो पारदर्शिता कई गुना बढ़ सकती है। इस व्यवस्था में मरीज की डिजिटल सहमति भी अनिवार्य की जा सकती है।अस्पताल द्वारा प्रस्तुत अंतिम दावा तभी स्वीकार हो, जब मरीज या उसके अधिकृत परिजन डिजिटल रूप से पुष्टि करें कि वास्तव में वही उपचार और सेवाएं दी गई थीं।

हर मरीज की आवाज बने फीडबैक सिस्टम : योजना में लाभार्थी का फीडबैक केवल औपचारिकता नहीं होना चाहिए। अस्पताल से छुट्टी के समय मरीज से तीन सरल प्रश्न पूछे जा सकते हैं - क्या आपसे कोई अतिरिक्त पैसा लिया गया? क्या आपको निर्धारित उपचार मिला?

क्या अस्पताल ने आपके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया? : इन उत्तरों को सीधे जिला और राष्ट्रीय निगरानी प्रणाली से जोड़ा जाना चाहिए। यदि किसी अस्पताल के विरुद्ध लगातार शिकायतें आती हैं तो उसका स्वचालित जोखिम मूल्यांकन हो और उसका मेडिकल एवं वित्तीय ऑडिट किया जाए। सीएजी ने भी लाभार्थियों से फीडबैक लेने की व्यवस्था में कमियों की ओर ध्यान दिलाया है। इसलिए फीडबैक को व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आयुष्मान कार्ड सिर्फ कार्ड नहीं, गरीब का भरोसा है : यह बात हमें कभी नहीं भूलनी चाहिए कि आयुष्मान कार्ड लेकर अस्पताल पहुंचने वाला व्यक्ति कोई सामान्य ग्राहक नहीं है। वह अक्सर बीमारी, आर्थिक चिंता और परिवार की आशंका से घिरा हुआ व्यक्ति होता है। उसके हाथ में केवल एक कार्ड नहीं होता... उसके हाथ में सरकार पर उसका भरोसा होता है। उस भरोसे के साथ यदि कोई व्यक्ति अस्पताल जाता है और वहां उसे अतिरिक्त पैसे, अनावश्यक जांच, बढ़े हुए बिल अथवा अस्पष्ट पैकेज की समस्या का सामना करना पड़ता है तो चोट केवल उसकी जेब पर नहीं पड़ती, बल्कि सरकारी व्यवस्था और जनविश्वास दोनों पर पड़ती है।

– सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

जिनके घर शीशे के हों वह दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकते

• तनवीर जाफ़री

देश में इन दिनों छात्रों और युवा पीढ़ी अर्थात जेन जी के छिड़े घमासान के बीच जेन जी को ही केंद्र में रखकर कुछ ऐसे बयान सुनने में आ रहे हैं जिनकी न तो भाषा शालीन है न ही बयान देने वालों का व्यक्तित्व ही ऐसा है जिसे देश में शिक्षा, रोज़गार, पारदर्शिता, जवाबदेही, भ्रष्टाचार, लोकतंत्र तथा संवैधानिक मूल्यों को लेकर संघर्षरत युवा पीढ़ी व छात्रों से जोड़ा जा सके। इस संबंध में सबसे दिलचस्प वाकयुद्ध बाबा रामदेव व फ़िल्म अभिनेत्री व भारतीय जनता पार्टी सांसद कंगना रनौत के बीच छिड़ा। इस वाक्युद्ध ने एक दूसरे की पोल पट्टी खोलकर रख दी। ग़ौरतलब है कि बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले के विरोध में प्रदर्शन कर रही युवा पीढ़ी पर तीखी टिप्पणियां की थीं। कंगना ने प्रदर्शनकारी युवाओं को 'गटर जनरेशन' कहकर संबोधित किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था कि 'जेन जी के आंदोलनों के वीडियो देखकर मुझे झटका लगा।

मैंने अपनी ज़िंदिगी में इतना अजीब और इतना बुरा कुछ नहीं देखा है। इन्हें (युवा पीढ़ी को) किसने जन्म दिया है? कौन इनका पालन-पोषण कर रहा है? यह गटर की पीढ़ी है।' कंगना ने प्रदर्शन के दौरान युवाओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा को बेहद असभ्य और अमर्यादित बताया था। उन्होंने इसे 'उल्टी आने जैसा' व्यवहार क़रार दिया था। प्रदर्शनकारी छात्राओं और युवतियों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा था कि इन लड़कियों का आचरण बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि 'यह लड़कियां भविष्य में अच्छी गृहिणी भी नहीं बन सकतीं।' कंगना ने केवल छात्रों को ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता को भी कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने सवाल उठाया कि माता-पिता अपने बच्चों को ऐसे संस्कार कैसे दे सकते हैं, जो उन्हें सार्वजनिक रूप से इस तरह के अभद्र व्यवहार की अनुमति देते हैं?

कंगना रनौत के इस बयान की ख़ासकर इसकी शब्दावली की चारों ओर घोर आलोचना की गयी। परन्तु सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु एवं व्यवसायी बाबा रामदेव द्वारा एक टी वी चैनल पर इसी संबंध में पूछे गये एक सवाल पर दी गयी। जब बाबा रामदेव से कंगना के 'गटर जेनरेशन' वाले बयान पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कंगना की मानसिक स्थिति, उनकी योग्यता और उनके अतीत पर ही गंभीर सवाल उठा दिये। रामदेव ने कहा कि 'उनकी क्वालिफ़िकेशन (शिक्षा)क्या है? उनका बचपन कैसा रहा है? उनकी जवानी कैसी रही है? उनके पहले के कारनामे कैसे रहे हैं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता। किसी भी देश के जवानों को और जेन-ज़ी को 'गटर' बोलना यह बिगड़े हुए दिमाग़ की निशानी है। यह ग़लत बात है और उनकी पार्टी (बीजेपी) को इस पर संज्ञान लेना चाहिए।' हमेशा भाजपा सरकार की पैरवी करने वाले बाबा रामदेव के इस बयान को लेकर वैसे भी लोग आश्चर्यचकित हैं कि आख़िर उन्होंने किस तरह सत्ता के विरोध में आवाज़ उठाने की हिम्मत जुटाई? कुछ लोग तो उनके इस बयान की वजह से उन्हें राजनीति का 'मौसम विज्ञानी' भी कहने लगे हैं। बहरहाल सवाल यह है कि रामदेव ने कंगना रानौत को लेकर इतने सारे सवाल एक साथ कैसे और किस आधार पर खड़े किये? और क्या वजह थी कि रामदेव के इन सवालों से तिलमिलाकर कंगना को भी रामदेव पर तीखे जवाबी बाण छोड़ने पड़े? दरअसल कंगना रनौत ने स्वयं अपने अनेक इंटरव्यू में अपने शुरुआती जीवन, चरित्र, नशे और संघर्षों को लेकर बेहद चौंकाने वाले और बेबाक बयान दिए थे। उनके ये बयान समय-समय पर सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में बड़े विवाद की वजह बने हैं। कंगना रनौत ने साल 2020 में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में उन्होंने खुलकर स्वीकार किया था कि वह एक समय पर ड्रग्स की लत का शिकार हो चुकी थीं। उन्होंने कहा था कि 'जब मैं घर से भागी थी, उसके डेढ़-दो साल के अंदर ही मैं एक फ़िल्म स्टार भी थी और एक 'ड्रग एडिक्ट' भी थी।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि शुरुआती दिनों में उनके एक 'मेंटॉर' जो बाद में प्रताड़ित करने वाले बन गए, उनकी ड्रिंक्स में नशीली चीज़ें मिलाकर देते थे ताकि वह पुलिस के पास न जा सकें। बाद में एक इंटरव्यू में उन्होंने स्पष्ट किया कि वे योग और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं की मदद से नशे की इस लत से बाहर आ पाईं। उसी 2020 के वीडियो में अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कंगना ने खुद को 'ख़तरनाक' बताया था। उन्होंने कहा था कि जब वह कम उम्र में घर से भागकर मुंबई आई थीं, तो बहुत ग़लत लोगों के चंगुल में फंस गई थीं। उन्होंने कहा था कि 'मेरी ज़िंदिगी में इतने स्कैंडल चल रहे थे और मैं ऐसे लोगों के हाथों में पड़ गई थी, जहां से सिर्फ़ मौत ही मुझे बचा सकती थी। यह सब मेरी ज़िंदिगी में तब हो रहा था जब मैं सिर्फ़ एक टीनेजर (किशोरी) थी। सोच लो, मैं कितनी ख़तरनाक हूँ!' कंगना ने यह भी बताया था कि उनके पिता उन्हें डॉक्टर बनाना चाहते थे, लेकिन जब उन्होंने मना किया तो उनके पिता ने उन्हें थप्पड़ मारा था, जिसके बाद उन्होंने घर छोड़ दिया। वह महज़ 15-16 साल की उम्र में बिना पैसों के घर से भागकर दिल्ली और फिर मुंबई आ गई थीं।

चीनी की मिठास पर महंगाई की कड़वाहट, आखिर क्यों बढ़ रहे हैं इसके दाम?

• सुनील कुमार महला

देश में चीनी की कीमतों में इन दिनों काफी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है और चीनी के प्रति किलो के दाम 60 रुपए प्रति किलो या इससे ज्यादा तक पहुंच गये हैं। इस क्रम में यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि चीनी की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी चिंता का विषय जरूर है, लेकिन फिलहाल स्थिति बहुत गंभीर नहीं है।इस संबंध में यहां पर पाठकों को बताता चलूं कि त्योहारी सीजन को देखते हुए सरकार ने 31 अक्तूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इससे बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। अच्छी बात यह भी है कि सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए भंडारण सीमा भी सख्त की है।

आखिर क्यों बढ़ रही चीनी की कीमतें:

यहां पर यह सवाल जरूर उठता है कि जब देश में चीनी की कमी नहीं है, तो कीमतें इतनी तेजी से क्यों बढ़ रही हैं। इसके पीछे गन्ने के उत्पादन में कमी, गन्ने का अधिक हिस्सा इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल होना या गन्ने की खेती का पर्याप्त विस्तार न होना जैसे कारण हो सकते हैं। वास्तव में देश में चीनी उत्पादन में कमी, खराब मौसम और कम बारिश, त्योहारी सीजन में मांग बढ़ना, भंडार में कमी और जमाखोरी की आशंका, वैश्विक बाजार में आपूर्ति का दबाव तथा गन्ने से इथेनॉल बनाने की नीति को भी चीनी कीमतों की चर्चा में प्रमुखता मिली है, जिसके कारण चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा कीमत वृद्धि का मुख्य कारण इथेनॉल के लिए चीनी का डायवर्जन नहीं है।

गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल भी एक कारण?

पाठक जानते होंगे कि हमारे देश में गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल मुख्यतः पेट्रोल में मिलाकर किया जा रहा है। इसे इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कहा जाता है। हमारे देश में स्थिति की बात करें तो ई-20 पेट्रोल यानी 20% इथेनॉल तथा 80% पेट्रोल अब भारत में पेट्रोल का प्रमुख मानक मिश्रण है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025-26 में औसत इथेनॉल मिश्रण लगभग 20% तक पहुंच गया है।अप्रैल 2026 से बीएस-VI वाहनों के लिए ई-20 उत्सर्जन मानकों को पूरा करना अनिवार्य किया गया है। वास्तव में, इथेनॉल मिश्रण का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना, विदेशी मुद्रा बचाना, किसानों के लिए अतिरिक्त बाजार उपलब्ध कराना और कार्बन उत्सर्जन घटाना है। सरकार के अनुसार ईबीपी कार्यक्रम से अब तक लगभग 1.97 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा बचत हुई है। संक्षेप में कहें तो हमारे देश भारत पेट्रोल वाहनों को धीरे-धीरे इथेनॉल आधारित ईंधन की ओर ले जा रहा है। आज की स्थिति में ई-20 सामान्य पेट्रोल व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसे में कृषि और पेट्रोलियम मंत्रालय को मिलकर इन पहलुओं की समीक्षा जरूर करनी चाहिए। इथेनॉल की बढ़ती मांग को देखते हुए गन्ने का उत्पादन भी बढ़ाना जरूरी है, ताकि चीनी और इथेनॉल दोनों की जरूरत पूरी हो सके और किसानों को भी बेहतर लाभ मिले।

अंतिम व्यक्ति की पहुंच में स्वास्थ्य सुविधाएं!

• हेमेन्द्र क्षीरसागर

किसी भी सभ्य और संवेदनशील समाज की पहचान केवल उसकी आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि उसके सबसे दूर बसे नागरिक को स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधा कितनी सहजता से उपलब्ध है। दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं का सवाल इसलिए महज चिकित्सा व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि समानता, सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा से जुड़ा प्रश्न है।

सामान्य बीमारी, गंभीर रूप

देश के अनेक ग्रामीण, वनांचल और दुर्गम क्षेत्रों में आज भी अस्पताल तक पहुंचना अपने आप में एक चुनौती है। लंबी दूरी, खराब परिवहन व्यवस्था, चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों की कमी, नियमित जांच सुविधाओं का अभाव और आवश्यक दवाइयों की अनुपलब्धता के कारण सामान्य बीमारी भी कई बार गंभीर रूप ले लेती है। गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर रोगियों के लिए यह चुनौती और अधिक कठिन हो जाती है।

उपचार केंद्रों का मजबूत नेटवर्क

स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण आवश्यक है, लेकिन केवल भवन बना देना पर्याप्त नहीं। वहां चिकित्सक हों, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी हों, दवाइयां उपलब्ध हों, जांच की सुविधा हो और आपातकालीन स्थिति में मरीज को समय पर उच्च चिकित्सा केंद्र तक पहुंचाने की व्यवस्था हो तभी स्वास्थ्य व्यवस्था को प्रभावी कहा जा सकता है। दूरस्थ क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए पारंपरिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ मोबाइल मेडिकल यूनिट, टेलीमेडिसिन, नियमित स्वास्थ्य शिविर और प्राथमिक उपचार केंद्रों का नेटवर्क मजबूत करना समय की आवश्यकता है। स्थानीय युवाओं को स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में प्रशिक्षित करने से स्वास्थ्य सेवाओं को गांव की चौखट तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है।

रोकथाम और जागरूकता

इसके साथ ही स्वास्थ्य का अर्थ केवल बीमारी का इलाज नहीं, बल्कि रोकथाम और जागरूकता भी है। पोषण, स्वच्छता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, संक्रामक रोगों की रोकथाम और स्थानीय स्तर पर प्रचलित स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता को स्वास्थ्य नीति का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

उपचार की गुणवत्ता महत्वपूर्ण

दूरस्थ अंचलों के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था बनाते समय स्थानीय समाज की भाषा, संस्कृति और जीवनशैली को भी समझना होगा। स्वास्थ्य सेवाओं में संवेदन-शीलता और सम्मान का भाव उपचार की गुणवत्ता जितना ही महत्वपूर्ण है। आज आवश्यकता इस सोच को बदलने की है कि मरीज अस्पताल तक पहुंचे। व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि स्वास्थ्य सेवा मरीज तक पहुंचे। तकनीक, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और स्थानीय सहभागिता के माध्यम से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

बेहद खतरनाक है वोट बैंक के लालच में मुफ्तखोरी की बाढ़

• डा. रवीन्द्र अरजरिया

तमिलनाडु की तमिलगा वेत्री कड़गम गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने थाईमामन थंगा मोथिरम थिट्टम यानी मामा की सोने की अंगूठी योजना घोषणा की है जिसकी औपचारिक शुरूआत पूर्व मुख्यमंत्री सी.एन. अन्नादुराई की जयंती पर आगामी 15 सितंबर 2026 को की जायेगी। इस योजना के तहत 22 जून 2026 या उसके बाद सरकारी अस्पतालों में पैदा होने वाले सभी बच्चों को इस योजना का लाभ मिलेगा। यह तो एक नवीनतम बानगी है। ईमानदाराना बात तो यह है कि वर्तमान में भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति अत्यंत संवेदनशील और संक्रमणकालीन दौर से गुजर रही है। चुनाव अब विकास के मुद्दों, दीर्घकालिक नीतियों, विदेशी साख, विश्व सहयोग, जीवन स्तर के मापदण्ड, बुनियादी ढांचे के निर्माण या औद्योगिक क्रांति पर नहीं, बल्कि इस बात पर लड़े जा रहे हैं कि कौन सा दल मतदाताओं को कितनी लोक लुभावन वस्तुएं मुफ्त में दे सकता है। तात्कालिक राजनीतिक लाभ और वोट बैंक को सुरक्षित करने की इस अंधी होड़ ने देश में मुफ्तखोरी की एक भयावह बाढ़ ला दी है। चुनावी वैतरणी पार करने का यह शॉर्टकट अब देश की आर्थिक रीढ़ तोडने के साथ साथ समाज को एक गहरे संकट की ओर भी धकेल रहा है।

मुफ्तखोरी का तीव्र से तीव्रतम होता यह दावानल अब खतरे के निशान से ऊपर पहुंचता जा रहा है। लोक लुभावन रेवड़ियां बांटने की यह होड़ देश के लगभग सभी राज्यों में चल रही है। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत महिलाओं को 1, 250 रुपये से 1, 750 रुपये प्रति माह की दिये जाते है। कर्नाटक में गृह लक्ष्मी योजना के तहत परिवार की महिला मुखिया को 2, 000 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं। पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना के तहत महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

तमिलनाडु में कलेग्नार मगालिर उरीमाई थोगाई योजना के तहत महिलाओं को 1, 000 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं। दिल्ली में पिंक टिकट योजना के तहत महिलाओं के लिए डीटीसी और क्लस्टर बसों में सफर पूरी तरह मुफ्त है। कर्नाटक में शक्ति योजना के तहत राज्य की सभी महिलाओं के लिए सरकारी ऑर्डिनरी बसों में यात्रा मुफ्त है। पश्चिम बंगाल व आंध्र प्रदेश में भी महिलाओं के लिए सरकारी परिवहन बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा लागू है। उत्तर प्रदेश में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की बुजुर्ग महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा दी जाती है। पंजाब, तेलंगाना, केरल और जम्मू-कश्मीर में भी महिलाओं के लिए यह सुविधा उपलब्ध है। इसी तरह पंजाब में घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट प्रति माह

मुफ्त बिजली दी जा रही है। दिल्ली में उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और 400 यूनिट तक आधे दाम पर बिजली का लाभ मिलता है।

कर्नाटक में गृह ज्योति योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को उनकी औसत खपत के आधार पर 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान की जाती है। मध्य प्रदेश में साइकिल वितरण, मोबाइल वितरण, स्कूटी वितरण जैसे कार्यक्रम चलाये गये। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत पीएम किसान के अलावा 6, 000 रूपये वार्षिक अतिरिक्त दिए जाते हैं। इस प्रकार किसानों को कुल 12, 000 रुपये मिलते हैं। कुछ राज्यों ने अतिरिक्त स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत केंद्र की आयुष्मान भारत योजना यानी 5 लाख के बीमा के अलावा भी अतिरिक्त धनराशि दी जा रही है जिसमें राजस्थान की चिरंजीवी योजना, पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य साथी योजना और तमिलनाडु की मुफ्त इलाज गांटी योजनायें शामिल हैं। केन्द्र सरकार भी इस दौड में पीछे नहीं है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रति माह मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। वन नेशन वन राशन कार्ड यानी देश के किसी भी कोने में उचित मूल्य की दुकान से मुफ्त या तय दर पर राशन लेने की सुविधा। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र परिवारों को सूचीबध्द अस्पतालों में प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवरेज मिलता है। प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना के तहत आम जनता को कम कीमत पर जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराना। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को पक्के मकान देने के लिए वित्तीय सहायता और सब्सिडी प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरों की छतों पर सोलर पैनल लगवाने के लिए भारी सब्सिडी व मुफ्त बिजली का प्रावधान।

शहर में निकली टपकेश्वर महादेव की भव्य शोभायात्रा, सीएम धामी भी हुए शामिल, श्रद्धालुओं में उत्साह

• देहरादून, एजेंसी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी टपकेश्वर महादेव की शोभायात्रा में शामिल होने पहुंचे। यहां उन्होंने पूजा-अर्चना की। आढ़त बाज़ार स्थित शिवाजी धर्मशाला से यात्रा शुरू हुई। शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए यात्रा टपकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी।

भगवान श्री टपकेश्वर महादेव की 26वीं भव्य शोभायात्रा आज त्रयोदशी के अवसर पर निकाली जा रही है। शोभायात्रा का शुभारंभ सहारनपुर रोड स्थित श्री शिवाजी धर्मशाला से हुआ और यात्रा टपकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर विश्राम लेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, महंत कृष्ण गिरी महाराज, दिगंबर भरत गिरी महाराज सहित देश-विदेश से पहुंचे अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। महंत कृष्ण गिरी महाराज व दिगंबर भरत गिरी महाराज ने बताया कि शोभायात्रा को पहले से अधिक आकर्षक और भव्य स्वरूप देने के प्रयास किया गया है।

सेवादार प्रत्येक चौराहे पर पुलिस के साथ खड़े

यात्रा में श्री टपकेश्वर महादेव, श्री दूधेश्वर महादेव, श्री तपेश्वर महादेव, श्री देवेश्वर महादेव और ब्रह्मलीन महंत माया गिरि महाराज का डोला प्रमुख आकर्षण है। साथ ही यात्रा के बाद टपकेश्वर महादेव मंदिर के सत्संग भवन में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि श्रद्धालुओं और आम जनता को यात्रा मार्ग पर आवागमन में परेशानी न हो इसके लिए सेवा दल के सेवादार प्रत्येक चौराहे पर पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर व्यवस्था संभाल रहे हैं। यात्रा के दौरान स्वच्छता व्यवस्था के लिए 50-50 लोगों की दो सफाई टीमें अलग-अलग समय पर तैनात हैं, जो शोभायात्रा गुजरने के तुरंत बाद सड़क की सफाई करेंगी। इसके अलावा स्वास्थ्य व आपातकालीन व्यवस्था के तहत दो एम्बुलेंस यात्रा के साथ है, जिनमें दो डॉक्टर और चार नर्स मौजूद हैं। इसके अलावा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए एक फायर ब्रिगेड वाहन भी शोभायात्रा के साथ में हैं।

उत्तराखंडः शासन ने छह अफसरों के विभागों में किया फेरबदल

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड शासन ने छह अधिकारियों के विभागों में फेरबदल किया है। कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग-एक की ओर से जारी आदेश में तीन आईएएस, एक पीसीएस और सचिवालय सेवा के दो अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। आईएएस विजय कुमार जोगदंडे को अपर सचिव, गृह विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। डॉ. आनंद श्रीवास्तव को अपर सचिव, नागरिक उड्डयन और महानिदेशक, कृषि एवं उद्यान का दायित्व सौंपा गया है और उन्हें अपर सचिव, राजस्व विभाग से कार्यमुक्त किया गया है। आईएएस विनोद गिरी गोस्वामी से अपर सचिव, आवास विभाग की जिम्मेदारी हटा दी गई है, जबकि उनके अन्य दायित्व यथावत रहेंगे। पीसीएस अधिकारी सुंदर लाल सेमवाल को अपर सचिव, समाज कल्याण विभाग के पद से कार्यमुक्त किया गया है।

सचिवालय सेवा के सुनील सिंह को अपर सचिव, गृह विभाग से हटाकर अपर सचिव, आवास विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं सचिवालय सेवा की अधिकारी महिमा रैकली को अपर सचिव, राजस्व एवं सैनिक कल्याण विभाग का दायित्व सौंपा गया है। आदेश के अनुसार संबंधित अधिकारी अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों से कार्यमुक्त होकर नई तैनाती के पद पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करेंगे।

उत्तराखंडः अभिनव देशवाल और अंकिता ध्यानी को मिलेगा खेल रत्न पुरस्कार

• देहरादून, एजेंसी।

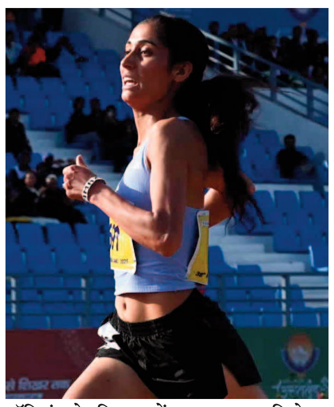

युवा निशानेबाज अभिनव देशवाल एवं लंबी व मध्यम दूरी की भारतीय धावक अंकिता ध्यानी को देवभूमि उत्तराखंड खेल रत्न पुरस्कार मिलेगा। अभिनव को वर्ष 2025 और अंकिता को वर्ष 2024-25 के लिए यह पुरस्कार दिया जाएगा। खेल विभाग की ओर से खेल पुरस्कारों की घोषणा की गई है। 29 अगस्त राष्ट्रीय खेल दिवस पर इन खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

शासन के जारी आदेश के मुताबिक मॉर्डन पैंटाथलॉन खिलाड़ी ममता खाती निवासी बागेश्वर, सक्षम प्रताप सिंह निवासी काशीपुर ऊधमसिंह नगर, पैरा निशानेबाज शौर्य सैनी निवासी रुड़की हरिद्वार एवं बॉक्सिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खुशी चंद्र निवासी पिथौरागढ़ को वर्ष 2025-26 के लिए हिमालय रत्न खेल पुरस्कार दिया जाएगा। जबकि रोईंग कोच धर्मावाला देहरादून निवासी मुकेश शर्मा को देवभूमि उत्तराखंड द्रोणाचार्य पुरस्कार, हल्द्वानी नैनीताल के मुकेश चंद्र बेलवाल को लाईफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया जाएगा। बॉक्सिंग के लिए उन्हें यह पुरस्कार मिलेगा। जबकि वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय धावक अंकिता ध्यानी निवासी पौड़ी गढ़वाल एवं एथलेटिक्स कोच लोकेश कुमार को देवभूमि उत्तराखंड द्रोणाचार्य पुरस्कार दिया जाएगा। शासन के जारी आदेश के मुताबिक वर्ष 2024 के हिमालय रत्न खेल पुरस्कार के लिए विभाग को कोई आवेदन नहीं मिला। जबकि देवभूमि उत्तराखंड खेल रत्न पुरस्कार के लिए विभाग को तीन और देवभूमि उत्तराखंड द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए पांच आवेदन मिले थे।

धामी कैबिनेट का फैसलाः अब करीब सभी कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित, सात हजार से अधिक कर्मी होंगे नियोजित

• देहरादून, एजेंसी।

सरकार ने उत्तराखंड पूर्व सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से लगे अब करीब सभी कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित कर दिया है। सभी को समान कार्य समान वेतन का तीन चरणों में लाभ मिलेग। विभिन्न विभागों में बिना स्वीकृत पद के काम कर रहे सात हजार से अधिक कर्मचारी नियुक्ति की तिथि से नियोजित होंगे। वहीं, सेवा में व्यवधान है तो भी कर्मचारियों को समान काम के लिए समान वेतन मिलेगा। धामी कैबिनेट ने प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

धामी कैबिनेट में आए प्रस्ताव में कहा गया कि पहले चरण में एक जनवरी 2016 से पहले नियुक्त कर्मचारियों को एवं दूसरे चरण में एक जनवरी 2016 से 12 नवंबर 2018 तक नियोजित कर्मचारियों के समान काम के लिए समान वेतन पर विचार किया जाएगा। जिसपर कार्रवाई नौ नवंबर 2026 से होगी। जबकि तीसरे चरण में 13 नवंबर 2018 से 15 अक्तूबर 2024 तक के नियोजित कार्मिकों को समान कार्य के लिए समान वेतन दिए जाने की कार्रवाई एक अप्रैल 2027 से शुरू की जाएगी। वहीं, सैनिक कल्याण विभाग के 20 फरवरी, 2026 के शासनादेश में उल्लिखित निरंतर नियोजित शर्त को हटा दिया गया है। इससे एक जनवरी, 2016 से पहले कार्यरत उपनलकर्मी, जो अभी भी सेवारत हैं, उन्हें न्यूनतम वेतन और महंगाई भत्ते का लाभ मिलेगा।

यह लाभ तीन फरवरी, 2026 के संशोधित शासनादेश के तहत दिया जाएगा। यदि किसी विभाग में सृजित, स्वीकृत पदों के विपरीत उपनल कर्मचारी कार्यरत हैं तो नियुक्ति की तिथि से उन्हें स्वीकृत पदों के सापेक्ष नियोजित माना जाएगा। जबकि अन्य को स्वीकृत पद के सापेक्ष कार्ययोजित होने तक उसी विभाग में सीधी भर्ती के पद के सापेक्ष वेतनमान के आधार पर कार्ययोजित किया जा सकेगा, जिसके लिए वह न्यूनतम अर्हता धारित करते हों। पद उपलब्ध न होने की स्थिति में अधिसंख्य पदों का सृजन, समायोजन करवाया जाएगा। इसके लिए एक अलग से व्यवस्था समिति गठित की जाएगी। वहीं, उच्च न्यायालय के आदेशों के क्रम में प्रत्यक्ष अनुबंध पर कार्यरत पूर्व उपनल-कर्मियों को भी वेतनमान का न्यूनतम और परिवर्तनीय महंगाई भत्ता मिलेगा।

हादसे को दावतः चार की जगह 24 सवारियां, ई-रिक्शा को बना दिया 'मिनी बस'

• लखीमपुर खीरी, एजेंसी।

लखीमपुर खीरी के निघासन-ढखेरवा मार्ग पर बुधवार को क्षमता से कई गुना अधिक सवारियां बैठाकर फर्राटा भरते ई-रिक्शा का वीडियो सामने आया। ई-रिक्शा में करीब 24 लोग सवार थे। इनमें करीब दस लोग छत पर बैठे थे। चालक की सीट पर चालक समेत तीन लोग बैठे नजर आए, जबकि पीछे डाले पर करीब चार लोग बैठे और दो खड़े थे।

ई-रिक्शा के अंदर भी करीब आठ से दस सवारियां बैठी थीं। वहां से गुजर रहे कार सवार ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ई-रिक्शा ढखेरवा चौराहा से निघासन की ओर जा रहा था। मुख्य मार्ग पर इस तरह क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर चल रहे ई-रिक्शा से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता था। इसके बावजूद ऐसे वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से परिवहन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं।

ओवरलोडिंग करने वालों पर कार्रवाई की मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि निघासन क्षेत्र के साथ जिले के अन्य मार्गों पर भी कई ई-रिक्शा चालक निर्धारित क्षमता और यातायात नियमों की अनदेखी कर सवारियां ढो रहे हैं।

क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से चालक बेखौफ हैं। लोगों ने परिवहन विभाग से अभियान चलाकर ई-रिक्शा की जांच और ओवर-लोडिंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सीओ शिवम कुमार ने बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को अवगत कराया जाएगा। क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर चलने वाले ई-रिक्शा की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मेरठः सड़क किनारे जिम प्लेट्स का ढेर, वीडियो वायरल होते ही बोरे भरकर ले गए लोग; आखिर कहां से आईं?

• मेरठ, एजेंसी।

मेरठ में बिजली बंबा बाईपास पर सड़क किनारे पड़ीं जिम प्लेटें रहस्य बन गई हैं। क्षेत्र स्थित होटल अरोमा के बराबर वाली सड़क पर बड़ी संख्या में जिम की प्लेट्स पड़े होने के वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो लोग इन्हें उठाने पहुंच गए। वायरल वीडियो में सड़क किनारे प्लेट्स का ढेर दिखाई दे रहा है और कुछ लोग इन्हें उठाकर ले जाते नजर आ रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि प्लेट्स नई हैं।

वायरल वीडियो में सड़क किनारे बड़ी संख्या में जिम में इस्तेमाल होने वाली प्लेट्स बिखरी दिखाई दे रही हैं। वीडियो सामने आने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुटने और कुछ लोगों के प्लेट्स उठाकर ले जाने की बात भी सामने आई है। वीडियो वायरल होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि इतनी बड़ी संख्या में जिम की प्लेट्स सड़क किनारे आखिर पहुंचीं कैसे? इन्हें यहां कौन लेकर आया, किसने डाला और इन्हें यहां रखने का उद्देश्य क्या था? अभी इन सवालों के जवाब स्पष्ट नहीं हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के साथ दावा किया जा रहा है कि सड़क पर पड़ी जिम की प्लेट्स नई हैं। हालांकि इन प्लेट्स की वास्तविक स्थिति, स्वामित्व और उन्हें वहां लाए जाने के कारण की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। बड़ी संख्या में जिम उपकरण खुले में पड़े मिलने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। य

संरचना का अवलोकन

विश्व बैंक समूह के प्रबंध निदेशक पहुंचे दून, एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय जॉलीग्रांट का किया भ्रमण

• देहरादून, एजेंसी।

विश्व बैंक समूह के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफ नॉलेज ऑफिसर पास्कल डोनोहो ने बुधवार को उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय, जॉलीग्रांट का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड की आपदा प्रबंधन व्यवस्था, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं, तकनीकी संसाधनों और विशेषज्ञ रेस्क्यू क्षमताओं का जायजा लिया।

भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने एस-डीआरएफ मुख्यालय में प्रथम फेज में पूर्ण किए गए निर्माण कार्यों एवं आधुनिक आधारभूत संरचना का अवलोकन किया। टीम ने एडमिनिस्ट्रेशन ब्लॉक, ट्रेनिंग ब्लॉक, कैनाइन यूनिट और एसडीआरएफ कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को आपदा के समय रेस्क्यू टीमों की त्वरित तैनाती, संचार व्यवस्था, अभियान की निगरानी तथा कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम की कार्यप्रणाली की जानकारी दी।

सेनानायक एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी ने प्रतिनिधिमंडल को उत्तराखंड की विषम भौगोलिक एवं भौगर्भिक परिस्थितियों के कारण उत्पन्न होने वाली आपदाओं और उनसे निपटने के लिए एसडीआरएफ द्वारा विकसित विशेषज्ञ रेस्क्यू क्षमताओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने एसडीआरएफ के प्रशिक्षण तंत्र, तकनीकी दक्षता और आधुनिक उपकरणों की जानकारी भी साझा की। प्रतिनिधिमंडल को पर्वतीय क्षेत्रों, नदी घाटियों, भूस्खलन प्रभावित इलाकों और अन्य आपदा संभावित क्षेत्रों में एसडीआरएफ द्वारा संचालित रेस्क्यू अभियानों की कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया। इस दौरान खोज एवं बचाव, पीड़ितों का पता लगाने, प्राथमिक प्रतिक्रिया तथा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में राहत-बचाव कार्यों के लिए जवानों को दिए जाने वाले व्यावहारिक प्रशिक्षण की जानकारी दी गई।

विश्व बैंक समूह के अधिकारियों ने एसडीआरएफ की कैनाइन यूनिट का भी निरीक्षण किया। उन्हें आपदा परिस्थितियों में प्रशिक्षित श्वान दस्ते की भूमिका और खोज एवं बचाव अभियानों में उसकी उपयोगिता के बारे में बताया गया। भ्रमण के समापन अवसर पर सेनानायक एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी ने पास्कल डोनोहो को सिलक्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन पर आधारित केस स्टडी बुक भेंट की। पुस्तक में अभियान के दौरान सामने आई चुनौतियों, अपनाई गई रेस्क्यू रणनीतियों, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय व अभियान से प्राप्त अनुभवों और महत्वपूर्ण सीख को संकलित किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

"PMFME योजना के संबंध में महिलाओं को जागरूक करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम"

देहरादून, ब्यूरो। राघव विहार, प्रेमनगर में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (PMFME) के संबंध में महिलाओं को जागरूक करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में स्वरोजगार एवं उद्यमिता के अवसरों से अवगत कराना तथा उन्हें PMFME योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी एवं भारतीय जनता पार्टी की प्रवक्ता श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल के नेतृत्व में कई महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर महिलाओं को PMFME योजना के उद्देश्यों, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा योजना के अंतर्गत उपलब्ध सहायता के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में डीआरपी डॉ. पुष्कर नेगी ने महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े छोटे उद्यमों को विकसित करने, प्रशिक्षण, उत्पाद की गुणवत्ता एवं पैकेजिंग में सुधार तथा बाजार से जुड़ने के अवसरों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को अपने हुनर को स्वरोजगार एवं उद्यमिता में बदलकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महेन्द्र पेनूली सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे। महिलाओं ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करते हुए PMFME योजना से संबंधित विभिन्न जानकारियाँ प्राप्त कीं और अपने प्रश्न भी रखे। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को यह संदेश दिया गया कि उनके पारंपरिक हुनर और स्थानीय संसाधनों को उचित प्रशिक्षण एवं सरकारी सहायता के माध्यम से आय के स्थायी स्रोत और सफल उद्यम में बदला जा सकता है।

लखनऊ में झमाझम बारिश, अचानक दिन में छाया अंधेरा, कमर तक भरा पानी

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में बुधवार दोपहर करीब दो घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया। घने काले बादलों के कारण दिन में ही अंधेरा छा गया। वाहन चालकों को दिन में भी हेडलाइट, वाइपर और डीपर का इस्तेमाल करना पड़ा। बारिश से बचने के लिए लोग फ्लाईओवर के नीचे शरण लेते नजर आए। जलभराव के कारण कई तिराहे-चौराहों और अंडरपास में यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। बुधवार सुबह से ही लखनऊ में रुक-रुककर बारिश हो रही थी। सुबह से आसमान में घने काले बादल छाए रहे। करीब 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। हुसैनगंज, चौक, गोमती नगर, सरोजनी नगर और रहीमाबाद में सुबह रिमझिम बारिश हुई। दोपहर करीब तीन बजे से शाम पांच बजे तक चिनहट, कमता, विभूति खंड, विशाल खंड, मलिहाबाद, बंथरा और सरोजनी नगर में तेज बारिश हुई। कई जगह सड़कों पर पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने रात तक गरज-चमक के साथ तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।

महिलाओं को फ्री बस की सुविधाः सीएम योगी का जताया आभार

लखनऊ, एजेंसी। यूपी की योगी सरकार ने 60 साल से ऊपर की महिलाओं को बुधवार को फ्री बस सेवा की सौगात दी। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ किया। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने महिलाओं से बात की और इस निर्णय पर उनकी प्रतिक्रिया ली। इस दौरान सीएम योगी ने अपने संबोधन में कहा कि अगर आप लोग अच्छी सरकार चुनेंगी तो सुविधाएं भी अच्छी मिलेंगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर 27, 28 और 29 अगस्त को महिलाओं को अपने एक सहयात्री के साथ निशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। वहीं, इसके बाद 60 वर्ष की उम्र से ऊपर की हर एक महिला को निशुल्क बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। उन्नाव से आई सुनीता अवस्थी ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस की यात्रा की घोषणा करने के लिए सीएम योगी का आभार जताया और कहा कि हम यही चाहते हैं कि आपकी सरकार बार-बार आए। उन्नाव की ही पुष्पा ने मुख्यमंत्री योगी के इस निर्णय की सराहना की और कहा कि अब वो आराम से बस यात्रा कर सकेंगी। उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सीतापुर की रीता सक्सेना ने कहा कि इस सुविधा से अब जब भी लखनऊ आना होगा या अयोध्या जाना होगा तो आसानी से जा सकेंगे। परिवार पर आश्रित नहीं रहना होगा। लायका खातून ने सीएम योगी के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि आपका किन लफ्जो में शुक्रिया अदा करें। ये निर्ण महिलाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

27 से 29 अगस्त तक सहयात्री के साथ निशुल्क यात्रा कर सकेंगी माताएं-बहनें

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश की माताओं, बेटियों और बहनों को विशेष उपहार दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम व सिटी बसों में 27 अगस्त की सुबह 6 बजे से 29 अगस्त की मध्यरात्रि तक की निःशुल्क यात्रा जा सकेगी। निगम की बसों में महिला यात्री एक सहयोगी के साथ निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। इस अवसर पर सीएम ने 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' का शुभारंभ करते हुए विशेष बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया। इन बसों में 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं ने निशुल्क यात्रा की। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बारिश के बीच झंडी दिखाकर विशेष बसों को रवाना किया। बसों में बैठी महिलाओं ने इस उपहार के लिए हाथ जोड़कर सीएम का अभिनंदन किया तो सीएम योगी ने भी हाथ हिलाकर उनके प्रति आभार जताया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बस में यात्रा करने वाली महिलाओं के साथ सेल्फी भी ली।

आईटीआई में प्रवेश के लिए प्रथम चरण का चयन परिणाम घोषित, 27 अगस्त से 4 सितंबर तक होंगे प्रवेश

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश की राजकीय, निजी व पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल की औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में चल रही नए सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया में पहले चरण का सीट एलॉटमेंट जारी कर दिया गया है। इसके तहत अभ्यर्थी आज से प्रवेश और अपनी सीट फ्रीज-फ्लोट कर सकेंगे। इसमें छह महीने, एक साल व दो साल के पाठ्यक्रम शामिल हैं। इस साल आईटीआई की प्रवेश प्रक्रिया काफी लेट चल रही है। वहीं 15 अगस्त तक छात्रों से चॉइस लेकर राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) द्वारा आगे की प्रक्रिया नहीं घोषित की जा रही थी। अमर उजाला द्वारा इससे संबंधित खबर प्रमुखता से प्रकाशित की गई थी। इस क्रम में एससीवीटी द्वारा बुधवार को सीट एलॉटमेंट जारी किया गया है। एससीवीटी के अधिशासी निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि अभ्यर्थी अपने प्रवेश परिणाम की जानकारी वेबसाइट http://www.scvtup.in व http://www.upvesd.gov.in/dte देखें।

संक्षिप्त खबरें

ब्लैकमेलिंग से था परेशान: 20 साल का बेअंत फांसी पर झूला, मां-बेटी पर केस दर्ज

चण्डीगढ़-पंजाब, एजेंसी। मोगा के गांव डाला में कथित ब्लैकमेलिंग और धमकियों से परेशान होकर 20 वर्षीय बेअंत सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के पिता अमनप्रीत सिंह के बयानों पर पुलिस ने एक युवती और उसकी मां के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने तथा ब्लैकमेलिंग से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में अमनप्रीत सिंह ने बताया कि उनका बेटा बेअंत सिंह 12वीं पास करने के बाद उनके साथ खेती-बाड़ी का काम करता था। करीब डेढ़ साल से उसकी गांव की ही युवती सादीया के साथ बातचीत चल रही थी। आरोप है कि बाद में सादीया और उसकी मां फुलां देवी उर्फ शमशूं कथित तौर पर बेअंत को ब्लैकमेल करने लगीं और उससे पैसों की मांग करती थीं। आरोप है कि पैसे देने से इनकार करने पर दोनों उसे झूठे केस में फंसाने और बदनाम करने की धमकियां देती थीं। बेटे द्वारा पूरी बात बताने के बाद अमनप्रीत सिंह ने गांव के गणमान्य लोगों जसवीर सिंह, सुखदेव सिंह और जोगिंदर सिंह को साथ लेकर युवती के परिजनों से बात भी की और बेअंत को परेशान न करने के लिए कहा। पिता के अनुसार, 24 अगस्त की शाम को वह दोबारा उक्त लोगों को साथ लेकर युवती के घर गए थे। आरोप है कि इसके बावजूद युवती और उसकी मां ने बेअंत को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियां दीं। लगातार मिल रही कथित धमकियों के कारण बेअंत मानसिक रूप से परेशान था। 25 अगस्त की सुबह करीब 9 बजे बेअंत ने अपने कमरे में पंखे से फंदा लगा लिया। कमरे से आवाज आने पर परिवार के सदस्य अंदर पहुंचे तो वह पंखे से लटका मिला। परिजनों ने उसे नीचे उतारा और गांववासियों की मदद से मोगा के सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम सिविल अस्पताल मोगा पहुंची। वहां मृतक के पिता अमनप्रीत सिंह ने सुखदेव सिंह और जोगिंदर सिंह की मौजूदगी में पुलिस को बयान दर्ज करवाए। पुलिस ने सादीया और उसकी मां फुलां देवी के खिलाफ मामला दर्ज करके दिनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया पुलिस द्वारा मामले की जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

आम आदमी क्लीनिक के कर्मचारियों की हड़ताल: नौकरी की सुरक्षा की मांग

पंजाब, एजेंसी। पूरे पंजाब में 1000 आम आदमी क्लीनिक के मेडिकल ऑफिसर, फार्मासिस्ट एवं क्लीनिक असिस्टेंट कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी है। मोगा में 35 आम आदमी क्लीनिकों के करीब 105 कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया है। धरने पर बैठे मेडिकल ऑफिसर, फार्मासिस्ट एवं क्लीनिक असिस्टेंट कर्मचारियों ने सिविल सर्जन कार्यालय के बाहर धरना देकर पंजाब सरकार के खिलाफ जोरदार रोष प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वे पिछले करीब चार वर्षों से आम आदमी क्लीनिकों में सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन आज तक उनकी नौकरी पक्की नहीं की गई। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी इम्पैनलमेंट/कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर काम कर रहे हैं, जहां उन्हें न तो नौकरी की सुरक्षा है और न ही पर्याप्त सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि वे एक महीना पहले भी हड़ताल पर बैठे थे। तब सरकार और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक हुई थी। उन्होंने सभी मांगों को पूरा करने के लिए 15 दिन का समय दिया था। आज एक महीना हो गया लेकिन कोई हल नहीं निकला। मजबूरन उन्हें फिर से धरने पर बैठना पड़ा। कर्मचारियों का आरोप है कि छुट्टी लेने पर उनका वेतन काट लिया जाता है। उन्हें नियमित कर्मचारियों की तरह कोई लाभ नहीं दिया जाता। उनकी मांग की कि नौकरी की सुरक्षा दी जाए, नियमित किया जाए और रविवार और कोई भी सरकारी छुट्टियों के दौरान वेतन न काटा जाए। उन्होंने बताया कि मोगा में 35 आम आदमी क्लीनिक है। रोजाना जिले में 2500 ओपीडी होती हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

पंजाब: सुनाम में शिक्षा की बदहाल तस्वीर, दो कमरों में पढ़ रहे 108 बच्चे

चण्डीगढ़-पंजाब, एजेंसी। पंजाब में 'शिक्षा क्रांति' के दावों के बीच, सुनाम की वाल्मीकि बस्ती स्थित भगवान वाल्मीकि सरकारी प्राइमरी स्कूल की कड़वी हकीकत व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर करती है। पिछले 42 वर्षों से यह स्कूल एक पुरानी धर्मशाला के मात्र दो कमरों में संचालित हो रहा है, जहां गरीब और दलित परिवारों के 108 बच्चे शिक्षा प्राप्त करने को मजबूर हैं। स्कूल में प्री-प्राइमरी से पांचवीं कक्षा तक कुल 8 कक्षाएं चलती हैं, लेकिन स्थान के नाम पर केवल दो कमरे हैं। इसके कारण एक ही कमरे में तीन-तीन कक्षाएं एक साथ लगानी पड़ती हैं, जिससे बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई होती है। जगह की कमी के कारण बच्चों को बरामदे में बैठकर भी पढ़ाई करनी पड़ती है। स्कूल के पास अपनी रसोई भी नहीं है, जिसके चलते मिड-डे मील बनाने वाली दो महिलाएं खुले में और सीधी धूप में खाना पकाने को विवश हैं। एलपीजी गैस सिलेंडर को भी धूप में रखना पड़ता है, जो किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकता है। इन विपरीत परिस्थितियों में भी, स्कूल के 7 शिक्षक सराहनीय कार्य कर रहे हैं। सरकारी उपेक्षा के बावजूद, वे अपनी जेब से पैसे खर्च कर बच्चों को पढ़ाई का सामान और बुनियादी सुविधाएं देने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, इमारत की कमी के कारण उनके प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। स्थानीय एसडीएम ने वर्ष 2022 और 2023 में उच्चाधिकारियों को इस गंभीर समस्या के बारे में अवगत कराने के लिए पत्र लिखे थे। इसके बावजूद, महकमे की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। फाइलों के दफ्तरों में चक्कर काटने के कारण समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। इस बदहाली पर शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता विन्नरजीत सिंह गोल्डी ने राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि 'वर्ल्ड क्लास शिक्षा' और 'स्कूल ऑफ एमिनेंस' जैसे दावों की पोल सुनाम के इस स्कूल में खुल जाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर धूप में रखे सिलेंडर से कोई अनहोनी होती है, तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? स्थानीय निवासियों और वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधियों ने भी चिंता व्यक्त की है और पूछा है कि क्या किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है। यह स्थिति एक गंभीर प्रश्न खड़ा करती है कि क्या एसडीएम की चिट्ठियों को नजरअंदाज करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होगी, या 108 नौनिहाल इसी धर्मशाला के दो कमरों में अपना भविष्य तलाशते रहेंगे।

सीएम सैनी से मिले सांसद राव इंद्रजीत, भूमिगत जल निकासी व्यवस्था बनाने का दिया सुझाव

• **चण्डीगढ़-हरियाणा, एजेंसी।**

केंद्रीय राज्य मंत्री और गुरुग्राम से लोकसभा सांसद राव इंद्रजीत सिंह ने बुधवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। उन्होंने गुरुग्राम में जलभराव की गंभीर समस्या के स्थायी समाधान पर चर्चा की। राव इंद्रजीत ने मुख्यमंत्री से कहा कि हर साल किए जाने वाले अस्थायी उपाय अब पर्याप्त नहीं हैं।

राव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि पिछले करीब बीस वर्षों में गुरुग्राम में जलभराव की समस्या लगातार बढ़ी है। पहाड़ों और नालों से आने वाला पानी पहले ड्रेन नंबर-आठ तक पहुंचता था। शहर के विस्तार के कारण कई जगह पानी के प्राकृतिक रास्ते बंद हो गए हैं। इन रास्तों में कॉलोनियां विकसित हो गई हैं। सड़कों के निर्माण और अवैध कब्जों ने भी पानी की निकासी को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि बाधित प्राकृतिक जलमार्गों पर बने निर्माणों को हटाना व्यावहारिक नहीं है। इसलिए उन्होंने मुख्यमंत्री को मेट्रो की तर्ज पर भूमिगत जल निकासी व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया। यह व्यवस्था जमीन के नीचे से पानी निकालने का वैकल्पिक रास्ता तैयार करेगी। इससे गुरुग्राम को जलभराव से स्थायी राहत मिल सकती है।

जल निकासी तंत्र के तकनीकी अध्ययन की आवश्यकता

राव इंद्रजीत ने जोर दिया कि केवल एक स्थान पर पानी रोकने से समस्या हल नहीं होगी। पानी को एक जगह रोकने पर वह दूसरी जगह से निकलने का रास्ता खोजेगा। इसलिए पूरे गुरुग्राम के जल निकासी तंत्र का तकनीकी अध्ययन आवश्यक है। उन्होंने आईआईटी और अन्य तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञों की मदद लेने का सुझाव दिया। इससे गुरुग्राम के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया जा सकेगा।

समस्या का मूल कारण

राव इंद्रजीत सिंह के अनुसार, गुरुग्राम में जलभराव की समस्या पिछले बीस वर्षों में बढ़ी है। शहर के अनियोजित विस्तार ने प्राकृतिक जलमार्गों को बाधित किया है। पहाड़ों और नालों से आने वाले पानी के रास्ते में कॉलोनियां बन गई हैं। सड़कों के निर्माण और अवैध कब्जों ने भी स्थिति को और बिगाड़ा है। इन कारणों से पानी की निकासी व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है

बेकाबू कार ने युवक को कूचला, युवक की मौके पर ही मौत

• बेकाबू कार को अज्ञात चालक ने युवक के सिर के ऊपर से उतार कर ले गया

• **सोहना, ब्यूरो।**

शहर के बालूदा मार्ग पर सड़क किनारे पैदल भ्रमण करते हुए टहल रहा 20 वर्षीय युवक को लापरवाही से कार चलाते हुए अज्ञात युवक ने पीछे से टक्कर मारते हुए कूचल दिया। टक्कर लगने से युवक सामने सड़क पर जा गिरा। अज्ञात चालक बेकाबू हुई कार को युवक के ऊपर से उताकर ले गया। जिससे युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। अज्ञात चालक की कार की पहचान हो जाने का दावा किया जा रहा है। बुधवार की सुबह वार्ड नंबर 6 की डिफ्रेस कॉलोनी निवासी 20 वर्षीय कैश राघव रोजाना की तरह आज सुबह पांच बजे बालूदा मार्ग पर पैदल भ्रमण करने के लिए निकला था। कैश राघव भ्रमण करने के दौरान पास के गांव बालूदा से वापस मुडकर अपने घर की तरफ आ रहा था।

सड़क के एक मोड़ पर अज्ञात चालक अपनी कार को बेलगाम तरीके से कार को चलाता हुआ लाया। पैदल चल रहा कैश राघव को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कैश राघव सड़क पर सामने की तरफ जा गिरा। बेकाबू कार को अज्ञात चालक ने युवक के सिर के ऊपर से उतार कर ले गया। जिससे कैश का मुंह बुरी तरह से कूचल गया। हादसे में लगी चोट के कारण कैश राघव ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। उक्त मृतक युवक शहर के वरिष्ठ अधिवक्ता ललित राघव का बेटा था। जिसको लेकर स्थानीय आदलत में आज कामकाज को ठप रखा।

सीसीटीवी फुटेज से कार की पहचान

जानकारी के अनुसार युवक को कूचलने वाला युवक अपनी कार को बालूदा मार्ग से सोहना आने के दौरान मुख्य गुरुग्राम-अलवर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ले जााने की बजाय शहर की केडीएम मार्ग से निकालकर ले गया। अज्ञात चालक को फ्रेड्स कॉलोनी में निकालते हुए अपनी कार को पलवल मार्ग पर ले गया। ताकि उसे कोई देख ना ले। लेकिन बालूदा मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों से कार का पंजीकृत नंबर की पहचान हो गई है। शहर थाना पुलिस ने मृतक युवक के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस जल्द ही कार के अज्ञात चालक को गिरफ्तार करने तथा कार को काबू करने का दावा कर रही है।

रोहतक में गद्दे के शोरूम में लगी भीषण आग: प्रशासन मौके पर मौजूद

• **रोहतक, एजेंसी।**

रोहतक में आज एक बार फिर दुकानों में आग लगने की घटना सामने आई है। शहर के एक गद्दे के शोरूम में आज भीषण आग लग गई, जिससे भारी नुकसान की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है। डी-पार्क हादसे की यादें ताज़ाः यह घटना नौ जून को डी-पार्क मार्केट में हुए बड़े हादसे की यादें ताजा कर देती है, जहां आग लगने से कई दुकानें जलकर खाक हो गई थीं। उस हादसे में चार लोगों के फंसे होने की भी आशंका जताई गई थी।

अन्य आग की घटनाएं

पिछले कुछ समय में रोहतक में आग लगने की कई घटनाएं हुई हैं। 21 जून 2024 को गांधी कैंप में एक तीन मंजिला बिजली उपकरणों की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग

लग गई थी। वहीं, 28 जून 2026 को दिल्ली-हिसार रोड पर मन्नत हवेली के बाहर स्थित दुकानों में भी शॉर्ट सर्किट से आग लगने की खबर थी। 31 जुलाई 2026 को गांधी कैंप बाजार में एक जूतों की दुकान में शॉर्ट-सर्किट के कारण आग लगने की घटना हुई थी, जिसे दुकानदारों ने अग्निशमन यंत्रों की मदद से काबू पा लिया था।

सोहना में जमा बरसाती पानी से बीमारी फेलने का डर

• **सोहना, ब्यूरो।**

शहर के सार्वजनिक स्थानों पर जमा बरसाती पानी से जान लेवा बीमारियां फैलने का लोगों डर सताने लगा है। जमा बरसाती पानी से मक्खी मच्छरों का आतंक बढ़ने लगा है। रुक-रुक कर हुई बरसात के बाद शहर के सार्वजनिक स्थानों पर बारिश का पानी जमा.हो रहा है। जमा बरसाती की निकासी न होने से बदबू उठने से लोगों इसके आसपास से निकलते समय सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। बारिश का मौसम होने के कारण जमीन की भी प्यास लगभग पूरी हो जाने से जमा पानी कम नहीं हो रहा है। उक्त पानी से आसपास क्षेत्र में मक्खी मच्छरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। जिससे मलेरिया, डेंगू और मौसमी बुखार का प्रकोप बढ़ने का डर ने लोगों की रातों नींद चैन को छीन लिया है। वैसे भी मौसमी बुखार के रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। शहर के बस स्टैंड परिसर, गुरुग्राम-अलवर राष्ट्रीय राजमार्ग 248ए के

साथ, वार्ड 12 की नट कॉलोनी, शिव कॉलोनी के आबादी क्षेत्र में बरसाती पानी जमा हो रहा है।

वाटर हार्वेस्टिंग हुए फेल

शहर के सामान्य बस स्टैंड परिसर में जमा बरसाती पानी खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। जैसे ही जमा पानी कम होता है। वैसे ही बारिश होने पर पानी फिर से लबालब हो जाता है। नगर परिषद द्वारा इस परिसर में चार वाटर हार्वेस्टिंग बनाएं हुए है। लेकिन अब इन वाटर हार्वेस्टिंग की पानी शौकने की ताकत समाप्त हो चूकी है। इस सान नगर परिषद ने वाटर हार्वेस्टिंग की सफाई तक नहीं कराई है। जिसके कारण पानी कम नहीं यहा पर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। नगर परिषद को जल्द ही जमा.बरसाती पानी में कीट नाश्क दवाई का छिड़काव कराया जाएगा। जिससे मक्खी-मच्छरों का आतंक समाप्त हो सकेगा। **(गोविन्द सिंह -प्रभारी बस स्टैंड सोहना)**

शहर में बिजली के 90 फीसदी कट हुए समाप्त

• **सोहना, ब्यूरो।**

शहर में बिजली के लगने वाले कटों पर90 फीसदी काबू पा लिया गया है। किसी भी फीडर पर होने वाले फाल्ट की जांच में तैनात बिजली कर्मियों की टीम पहुंचेगी। बिजली लाइनों पर होने वाले फाल्ट की सूचना देने के लिए निगम ने जारी किया है सार्वजनिक मोबाइल नंबर। शहर में बिजली लाइनों की लाइन पर होने वाले फाल्ट से अधिक लंबे समय का कट नहीं लगेगा। क्योकि बिजली निगम की तरफ से शहर और ग्रामीण क्षेत्र के लिए अलग-अलग टीम बनाई है। यें टीम बिजली लाइन पर होने वाले फाल्ट को ठीक करने के लिए मौके पर पहुंच दुरुस्त करने का काम करेगी। टीम कर्मी बाल्ट को ठीक करने में लगने वाले समय की जानकारी उपभोक्ताओं को सोशल मिडिया के माध्यम से जानकारी दी जाती है। जिससे उपभोक्ता

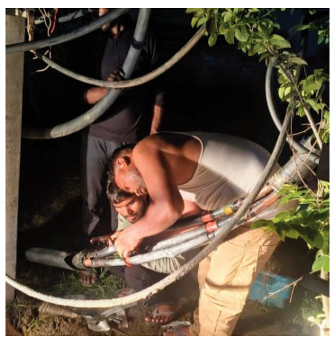

को बिजली के लगने वाले कट की जानकारी मिलती रहेगी। इसके साथ किस फीडर पर कितने समय का कट रहेगा। यह जानकारी भी सार्वजनिक की जाती है।

शिकायत नंबर हुआ सार्वजनिक

बिजली निगम ने शहर उपभोक्ता द्वारा लाइन पर होने वाले फाल्ट की जानकारी देने के लिए शिकायत मोबाइल नंबर सार्वजनिक किया है। शहरी क्षेत्र का उपभोक्ता 8059888472 नंबर पर बिजली कट की जानकारी दे सकेंगे। यह सार्वजनिक नंबर बिजली लाइन पर काम करने.वाली.टीम कर्मियों के पास रहेगा। जेई सुमित गर्ग ने बताया कि सार्वजनिक नंबर से उपभोक्ता और निगम कर्मचारी टीम को जानकारी देने और मिलने के लिए सहायक है।

बिजली की लाइन पर होने वाले फाल्टों पर 90 फीसदी काबू पा लिया है। उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिना कट बिजली सप्लाई मिलती रहेगी।

(गौरव गौड़-एसडीओ बिजली निगम सोहना)

बिजली के लगने वाले काटों पर बहुत काबू पा लिया है। आने वाले समय में बिजली कट शून्य हो जाएंगे।

(गौरव चौधरी-अभियंता बिजली निगम सोहना)

जगराओं में श्रेय की सियासतः माता चिंतपूर्णी मंदिर सड़क निर्माण पर विवाद

• **लुधियाना, एजेंसी।**

जगराओं के माता चिंतपूर्णी मंदिर के पास बनने वाली सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने से पहले ही इसे लेकर श्रेय लेने की राजनीति गरमा गई है। करीब तीन महीने पहले टेंडर होने के बावजूद अब निर्माण शुरू होने जा रहा है, जिसके चलते पूर्व पार्षद अमन कपूर बोबी और मौजूदा पार्षद के बीच विवाद खड़ा हो गया है।

पूर्व पार्षद का दावाः सड़क उनके कार्यकाल में मंजूर

पूर्व पार्षद अमन कपूर बोबी ने दावा किया है कि माता चिंतपूर्णी मंदिर से आतू वाला चौक तक बनने वाली यह सड़क उनके कार्यकाल में मंजूर हुई थी और इसी दौरान इसका टेंडर भी लगाया गया था। उन्होंने बताया कि सड़क का वर्क ऑर्डर अप्रैल में ही जारी कर दिया गया था, जबकि नगर काउंसिल के चुनाव मई में हुए थे। ऐसे में उन्होंने सवाल उठाया कि मौजूदा पार्षद ने यह सड़क कब और कैसे पास करवाई।

सड़क का बजट और योजना

इस सड़क के निर्माण के लिए लगभग 19 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। सड़क माता चिंतपूर्णी मंदिर से आतू वाला चौक तक बनाई जाएगी और इसमें अच्छी गुणवत्ता की इंटरलॉकिंग टाइलों का उपयोग किया जाएगा।

'टक लगाने से श्रेय साबित नहीं होता': बोबी

पूर्व पार्षद बोबी ने आरोप लगाया कि चुनाव के बाद सड़क पर 'टक' लगाकर मौजूदा पार्षद यह जताना चाह रहे हैं कि यह सड़क उनके प्रयासों से पास हुई है। उन्होंने कहा कि केवल 'टक' लगा देने से यह साबित नहीं होता कि सड़क मौजूदा पार्षद ने मंजूर करवाई है।

बंदी सिंहों की रिहाई नहीं

'पंजाब बचाओ रैली' में गरजे सुखबीर बादलः अमृतपाल वारिस नहीं वायरस है

• **मुक्तसर, एजेंसी।**

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष और पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने बुधवार को मलोट की दाना मंडी में 'पंजाब बचाओ रैली' को संबोधित किया। महाराष्ट्र के नांदेड़ में गत दिवस हुए हमले के बाद आयोजित इस रैली में सुखबीर बादल जहां मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान पर खूब बरसे। वहीं वारिस पंजाब दे को भी निशाने पर लिया। रैली को संबोधित करते हुए सुखबीर सिंह बादल ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के खिलाफ हल्ला बोलते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा सिख मर्यादा के खिलाफ काम किए, लेकिन किसी ने इसका विरोध नहीं किया। उन्होंने बेअदबी के मामलों का जिक्र करते हुए दावा किया कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के शासनकाल में सैकड़ों घटनाएं हुईं, जबकि इनमें किसी भी शिअद नेता या कार्यकर्ता का नाम नहीं आया।

अमृतपाल पर साधा निशाना

सुखबीर बादल ने अपने भाषण में वारिस पंजाब दे संगठन और सांसद अमृतपाल सिंह को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि 2022 में दुबई से आने के बाद अमृतपाल ने खुद को पंजाब का वारिस बताना शुरू किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग गुरुद्वारों को ढाल बनाकर राजनीति कर रहे हैं।

ये पंजाब के वारिस नहीं, वायरस हैं। उन्होंने कहा कि यह बंदी सिंहों की रिहाई नहीं बल्कि अमृतपाल की रिहाई करवाना चाहते हैं। इनका मकसद पंजाब के गुरुद्वारों और उनकी गोलकों पर कब्जा करना है। रैली में बादल ने शिअद सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि एम्स जैसे अस्पताल, सड़क निर्माण, अमृतसर में श्री हरिमंदिर साहिब के आसपास सुंदरीकरण, बंदा सिंह बहादुर स्मारक और ऐतिहासिक यादगारों का निर्माण पंजाब के विकास की

पहचान हैं। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को तबाही बताना विपक्ष की राजनीतिक मजबूरी है।

सुखबीर बादल ने कहा कि राज्य के लोगों को इंकलाब जिंदाबाद का नारा लगाकर और शहीद भगत सिंह की सोच की बातें कर भगवंत मान मुख्यमंत्री तो बन गए, मगर अब पांच साल इन्होंने चुटकुले सुनाकर बर्बाद कर दिए। इन्होंने तो पंजाब का बहुत बुरा हाल कर दिया है। अगर इस बार फिर इनसे पंजाब न बचाया तो पंजाब का इससे भी बुरा वक्त शुरू हो जाएगा। पंजाब में गुंडागर्दी और बढ़ जाएगी। गुरु घर लूटे जाएंगे। पंजाब को ये तबाह कर देंगे। उन्होंने कहा कि शिअद क्षेत्रीय मां पार्टी है। ये शिअद को खत्म करना चाहते हैं। मगर राज्य के लोग इस बार इनके झांसे में न आएं। सुखबीर ने कहा कि पंजाब अपना घर है। पंजाब तरक्की करेगा तो ही युवा पीढ़ी तरक्की करेगी। बादल ने कहा कि पंजाब के युवाओं के लिए अभी अनेकों स्कीमें लाने वाली पड़ी हैं। राजस्थान को जो पानी भेजा जा रहा है वह धक्के से भेजा जा रहा है। राज्य में मेडिकल कॉलेज, फैक्ट्रियां खोलने, ट्यूबवेल कनेक्शनों की बहुत जरूरत है। फिर से शगुन स्कीम शुरू करने की जरूरत है।

सरकार बनने पर शुरू करेंगे एक लाख रुपये की शगुन स्कीम

सुखबीर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने शगुन स्कीम शुरू की थी। वह ऐलान करते हैं कि शिअद सरकार आने पर प्रकाश सिंह बादल की याद में वह एक लाख रुपये शगुन स्कीम शुरू करेंगे। पंजाब के गरीब युवा चाहे एससी, बीसी हो या जनरल सभी को कॉलेज तक की शिक्षा मुफ्त मुहैया करवाएंगे। यही नहीं प्राइवेट स्कूलों में भी गरीबों के बच्चों के लिए 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित रखी जाएंगी क्योंकि पंजाब राज्य तभी तरक्की करेगा, जब बच्चे शिक्षित होंगे।

पाक टीम में बाबर आजम की वापसी, लॉर्ड्स में इंग्लैंड से लेंगे बदला?

• लॉर्ड्स, एजेंसी

पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आज़म उंगली की चोट से उबरकर लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए वापसी करने को तैयार हैं। उनकी वापसी से हेडिंग्ले में संघर्ष कर चुकी पाकिस्तान की बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जहाँ टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था। बाबर का इंग्लैंड में कप्तान के तौर पर यह पहला टेस्ट होगा और उनसे टीम को स्थिरता मिलने की आशा है।

उम्मीद है कि पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आजम, पिछले महीने लगी उंगली की चोट से ठीक होने के बाद लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग XI में वापसी करेंगे। पाकिस्तान के बॉलिंग कोच उमर गुल ने पुष्टि की कि बाबर ने ट्रेनिंग के दौरान पूरा बैटिंग सेशन किया और तेज गेंदबाजों, स्पिनरों और थ्रोडाउन का सामना करते हुए प्रभावित किया। गुल ने कहा कि बाबर ने नेट्स में बैटिंग की और तेज़ गेंदबाजों, स्पिनरों और थ्रोडाउन का सामना किया। हमें उम्मीद है कि वह मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे; आज वह अच्छी लय में दिखे और नेट्स में उन्होंने अच्छी बैटिंग की। उन्होंने पूरा बैटिंग सेशन किया।

बाबर को शुरू में वेस्ट इंडीज के ख़िलाफ़ कैरिबियन में हुई सीरीज़ के दौरान उंगली में चोट लगी थी और बेकनहैम में एक प्रैक्टिस मैच के दौरान उसी उंगली पर चोट लगने से उनकी तकलीफ़ और बढ़ गई। उनके लौटने से पाकिस्तान की बैटिंग लाइन-अप मजबूत होने की उम्मीद है, जो हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में संघर्ष करती दिखी थी।

उस मैच में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को दो बार 86 ओवर से भी कम समय में आउट कर दिया था और मेहमान टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था।

वेस्ट इंडीज़ के ख़िलाफ़ पिछली सीरीज़ में बाबर पाकिस्तान के सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने 96.50 की औसत से 193 रन बनाए थे, जिसमें दो हाफ-सेंचुरी भी शामिल थीं। उन्हें हाल ही में उस सीरीज से पहले पाकिस्तान का कप्तान फिर से बनाया गया था और उम्मीद है कि वह इंग्लैंड में कप्तानी की ज़िम्मेदारी संभालेंगे। इंग्लिश ज़मीन पर कप्तान के तौर पर यह उनका पहला टेस्ट मैच होगा।

बाबर के टीम में आने से बैटिंग ऑर्डर में बदलाव हो सकता है और अज़ान अवैस को बाहर किया जा सकता है। शान मसूद या अब्दुल्ला शफीक ओपनिंग करने के लिए ऊपर आ सकते हैं, जिससे बाबर अपनी आम तौर पर खेली जाने वाली चौथे नंबर की पोज़िशन पर बैटिंग कर सकेंगे। इस अनुभवी बल्लेबाज का इंग्लैंड में रिकॉर्ड शानदार रहा है; उन्होंने छह पारियों में 65.75 की औसत से रन बनाए हैं और तीन अर्धशतक जड़े हैं। कुल मिलाकर इंग्लैंड के खिलाफ़ 14 पारियों में उनका औसत 53.83 रहा है और उन्होंने आधे मैचों में 50 या उससे ज़्यादा रन बनाए हैं।

न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है: रोजर फेडरर

• न्यूयॉर्क, एजेंसी

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर का आर्थर ऐश स्टेडियम में एक यादगार एग्जिबिशन नाइट के दौरान हीरो जैसा स्वागत किया गया। दुनिया के सबसे बड़े टेनिस स्टेडियम में घुसते ही तालियों से स्वागत किया गया। इस अवसर पर 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा कि न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है।

फेडरर ने कहा, "न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है। मेरे पास इस कोर्ट, यहां के फैंस, शहर की अविश्वसनीय यादें हैं। 2004, 2005 में — यहीं से सब कुछ शुरू हुआ, यहां की जीतों के साथ न्यूयॉर्क के लिए मेरा प्यार।" फेडरर ने कहा, "मुझे पहले दिन से ही इस शहर और इस कोर्ट से प्यार हो गया था।"

पूर्व खिलाड़ी ने 2004-2008 तक लगातार पांच यूएस ओपन जीते और टूर्नामेंट और शहर के साथ अपने खास कनेक्शन के बारे में बात की।

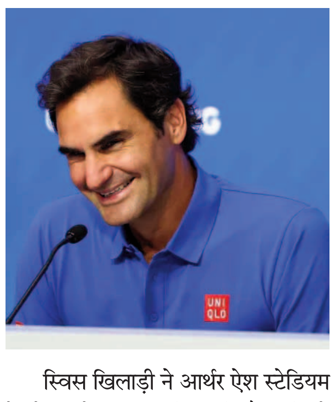

स्विस खिलाड़ी ने आर्थर ऐश स्टेडियम के सेंटर कोर्ट पर अपनी पहली मौजूदगी को याद किया, जो 2001 में अगासी के खिलाफ थी। फेडरर वह मुकाबला सीधे सेटों में हार गए थे। उन्होंने हंसते हुए कहा, "मुझे लगता है कि सेंटर कोर्ट पर मेरा पहला मुकाबला आंद्रे के खिलाफ 2001 में था। उन्होंने मुझे 6-1, 6-2, 6-4 से हराया। मेरे पास कोई शॉट नहीं था। मैं ऐसा था, 'ठीक है, इतना आसान नहीं है, इतना तेज नहीं है, रोजर'।"

स्टेडियम के वीडियो बोर्ड पर एक्टर मैथ्यू मैककोनाघी का नैरेट किया हुआ एक हाइप वीडियो दिखाया गया, और फैशन आइकन एना विंटोर ने रॉडिक के खिलाफ फेडरर के एकल मैच से पहले सिक्का उछाला। सेरेना विलियम्स, फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे, कैस्पर रूड और एलेक्जेंड्रा एला समेत कई मौजूदा और पुराने टेनिस स्टार भी मौजूद थे। फेडरर की यूएस ओपन में वापसी उनके पोस्ट-प्लेइंग करियर में एक और बड़ी उपलब्धि से कुछ दिन पहले हुई है। इस महीने की शुरुआत में अपना 45वां जन्मदिन मनाने वाले स्विस खिलाड़ी को शनिवार, 29 अगस्त को इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा।

आंद्रे अगासी ने कहा, "यह कितना कूल है कि यह बंदा इस साल हॉल ऑफ फेम में जा रहा है? बहुत बढ़िया, रोजर। मैं बहुत उत्साहित हूं। मुझे कहना होगा — मुझे लगता है कि मैं पहला इंसान था जिसे पता चला कि वह हॉल ऑफ फेम में जाने वाला है। जब उसने अपना 19वां स्लैम जीता, तो मुझे लगा, 'हां, वह कर सकता है'।"

मैं अपनी लय हासिल करने की कोशिश कर रहा हूं: मोहम्मद सिराज

• कोलंबो, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि टीम के गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी उन्हें पसंद है।

सिराज ने श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे टेस्ट के चौथे दिन का खेल शुरू होने से पहले ब्रॉडकास्टर्स से कहा, "मुझे भारतीय हालात में खेलने की आदत हो गई है क्योंकि आप धूप में बहुत खेलते हैं। यहां, समुद्र की वजह से ह्यूमिडिटी बहुत है। यह थोड़ा मुश्किल है। लेकिन देश के लिए, यह सब करना बहुत जरूरी है।"

तेज गेंदबाजी का नेतृत्व करने के सवाल पर सिराज ने कहा, "मुझे जिम्मेदारी सच में पसंद है। जब भी कोई चुनौती या जिम्मेदारी मेरे सामने आती है, तो मुझे मजा आता है। यह मेरा एक अलग पहलू सामने लाता है। इसलिए मुझे इसमें मजा आता है। मैं अपने शरीर पर ज्यादा बोझ नहीं डालता। मैं बस इसका मजा लेता हूं।"

बल्लेबाजों पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालकर उनका ध्यान भंग करने और उनका विकेट लेने के सवाल पर सिराज ने कहा, "जब कोई बल्लेबाज अपने कम्फर्ट जोन में खेल रहा होता है, तो उसके लिए यह आसान हो जाता है। जब आप थोड़ी बातचीत करते हैं, तो वह असहज हो जाता है। जब इस विकेट पर कुछ नहीं हो रहा होता है, तो शायद इस तकनीक का इस्तेमाल करने से बल्लेबाज के दिमाग में कुछ आ जाता है। फिर वह गलत शॉट खेल सकता है। आप देखेंगे कि क्या होता है। मुझे लगता है कि यह एक तेज गेंदबाज की उन खूबियों में से एक है जो अंदर से आती है।"

सिराज लगभग 2 महीने के बाद खेल रहे हैं। ऐसे में उन्होंने माना कि वह अपनी लय ती तलाश में हैं।

तेज गेंदबाज ने कहा, "ईमानदारी से कहूं तो, मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं अपनी तरफ से सौ प्रतिशत फिट हूं क्योंकि मैं दो महीने के ब्रेक के बाद वापस आया हूं। मैं इस स्थिति में अपनी लय के साथ काफी संघर्ष कर रहा हूं क्योंकि मैं वह लय नहीं पा सका हूं। मैं बस लय वापस पाने की कोशिश कर रहा हूं।"

सिराज ने कहा, "मैं अपने अनुभव का इस्तेमाल कर रहा हूं और गेंदबाजी करते समय जितना हो सके खुद पर नियंत्रण रखने की कोशिश कर रहा हूं।

बल्ले से फ्लॉप वैभव सूर्यवंशी, फिर गेंद से मचाया धमाल; एक ही ओवर में झटके 2 विकेट

• नई दिल्ली, एजेंसी

दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन के 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने भले बल्ले से निराश किया, पर एक ही ओवर में 2 विकेट चटकाकर गेंद से गदर मचा दिया।

दलीप ट्रॉफी 2026 में ईस्ट जोन की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू मुकाबला बल्ले से उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। हालांकि, इसके बाद उन्होंने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए एक ही ओवर में 2 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत की उम्मीदें और मजबूत कर दीं। ईस्ट जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच खेले जा रहे क्वार्टर फाइनल में वैभव से काफी उम्मीदें थीं।

उन्हें ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन टीम का उपकप्तान भी बनाया गया है। हालांकि, बल्लेबाजी में वो सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हो गए। वैभव ने अपनी पारी में 6 गेंदों का सामना किया और 2 चौके लगाए। वो तेज गेंदबाज बिश्वरजीत कोंथौजाम के खिलाफ शुरुआत में आक्रामक नजर आए और लगातार दो चौके लगाए। लेकिन दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर कोंथौजाम ने उन्हें आउट कर दिया।

बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन के बाद वैभव ने गेंदबाजी में शानदार वापसी की। अपनी बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी से उन्होंने नॉर्थ ईस्ट जोन की दूसरी पारी में एक ही ओवर में 2 विकेट हासिल किए। वैभव ने नॉर्थ ईस्ट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज किशन लिंगदोह को 25 रन पर आउट किया।

इसके बाद उन्होंने इमलीवाती लेमटूर को सिर्फ 4 रन पर पवेलियन भेज दिया। दोनों विकेट एक ही ओवर में आए। बीसीसीआई ने भी वैभव के इस प्रदर्शन की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने एक ओवर में 2 विकेट लेने के साथ 2 शानदार कैच भी पकड़े।

ईस्ट जोन ने पहली पारी में सुदीप कुमार घरामी के 146 और शाहबाज अहमद के 167 रन की शानदार पारियों की बदौलत 467 रन बनाए थे। जवाब में नॉर्थ ईस्ट जोन की टीम पहली पारी में सिर्फ 111 रन पर ऑलआउट हो गई।

इसके बाद ईस्ट जोन ने फॉलोऑन दिया। दूसरी पारी में भी नॉर्थ ईस्ट की हालत खराब रही और टीम 90/8 के स्कोर तक पहुंचते-पहुंचते 8 विकेट गंवा चुकी थी। ऐसे में ईस्ट जोन की जीत लगभग तय नजर आ रही है।

मैच के दौरान वैभव की जर्सी भी चर्चा में रही। उनकी जर्सी पर नंबर को टेप से ढका गया था और सिर्फ '3' नंबर दिखाई दे रहा था। इसके पीछे की सही वजह सामने नहीं आई है। हालांकि, संभावना जताई जा रही है कि उनकी दलीप ट्रॉफी जर्सी पर नंबर से जुड़ी कोई गलती होने के कारण उसे टेप किया गया हो।

वैभव आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए नंबर 3 की जर्सी पहनते हैं। बल्लेबाजी में जल्दी आउट होने के बाद गेंद से दो विकेट लेकर वैभव ने जरूर अपने प्रदर्शन में रोमांच जोड़ दिया।

टाटा ग्रुप की एयर इंडिया का बड़ा दांव, ड्रुकएयर के साथ करार से सार्क देशों में बढ़ेगा कनेक्टिविटी नेटवर्क

• नई दिल्ली, एजेंसी

एयर इंडिया ने भूटान की सार्वजनिक विमानन कंपनी ड्रुकएयर-रॉयल भूटान एयरलाइंस के साथ बुधवार को 'इंटरलाइन' साझेदारी की। इसके तहत दोनों एयरलाइन एक-दूसरे के नेटवर्क पर यात्रियों को सुगम यात्रा की सुविधा देंगी और दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों के बीच संपर्क मजबूत होगा। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने कहा कि इस साझेदारी के साथ वह अब अपने या साझेदारों के नेटवर्क के जरिये सार्क क्षेत्र के लगभग सभी देशों के लिए सुगम संपर्क उपलब्ध कराती है।

भारत और भूटान के अलावा दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) में पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, अफगानिस्तान, मालदीव और श्रीलंका शामिल हैं। 'इंटरलाइन' व्यवस्था ऐसी साझेदारी है, जिसके तहत साझेदार विमानन कंपनी द्वारा संचालित उड़ानों के लिए टिकट जारी और स्वीकार किए जाते हैं। 'इंटरलाइन टिकट' जारी करते समय परिचालन करने वाली एयरलाइन के उड़ान नंबर का इस्तेमाल किया जाता है।

एयर इंडिया ने कहा कि भूटान की एयरलाइन के साथ यह साझेदारी यात्रियों को एक ही टिकट पर एयर इंडिया और ड्रुकएयर की उड़ानों को जोड़कर यात्रा करने की सुविधा देती है, जिससे शुरुआत से अंत तक सुगम यात्रा सुनिश्चित होती है। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा, ''ड्रुकएयर के साथ हमारी साझेदारी सार्क क्षेत्र में संपर्क मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है, जिसे हम अपना विस्तारित घरेलू बाजार मानते हैं।

भूटान इस क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और हमें अपने यात्रियों के लिए भूटान तक आसान पहुंच उपलब्ध कराने में खुशी है। हम ड्रुकएयर के यात्रियों का एयर इंडिया के व्यापक घरेलू एवं वैश्विक नेटवर्क पर स्वागत करने के लिए भी उत्सुक हैं।''

इसी तरह, ड्रुकएयर के यात्रियों को दिल्ली, गुवाहाटी और कोलकाता के रास्ते एयर इंडिया के व्यापक घरेलू नेटवर्क तक सीधी पहुंच मिलेगी।

पीयूष गोयल का प्रस्ताव, भारत और जापान शुरू करें शॉर्क टैंक स्टार्टअप मॉडल

• नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लोकप्रिय 'शार्क टैंक' प्रारूप की तर्ज पर भारत-जापान स्टार्टअप श्रृंखला शुरू करने का बुधवार को प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य दोनों देशों के युवा स्टार्टअप को निवेशकों और संभावित कारोबारी साझेदारों से जोड़ना है। स्टार्टअप पर आयोजित एक परिचर्चा को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि भारतीय और जापानी स्टार्टअप के बीच अधिक संवाद को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल संपर्क का इस्तेमाल करते हुए ऐसी निवेश प्रस्तुति (पिचिंग) से जुड़ी बैठकें ऑनलाइन आयोजित की जा सकती हैं।

गोयल ने कहा, ''भारत और जापान 'शार्क टैंक' पहल की तरह एक निवेश प्रस्तुति श्रृंखला विकसित कर सकते हैं, जिससे युवा स्टार्टअप को अपने विचार पेश करने में मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्टअप जापानी निवेशकों के सामने अपने विचार पेश कर सकते हैं जबकि जापानी स्टार्टअप भारत में साझेदार और कारोबारी अवसर तलाश सकते हैं। उन्होंने कहा, '' जूम कॉल और इंटरनेट के जरिये वैश्विक संपर्क के इस दौर में हम अधिक से अधिक निवेश प्रस्तुति सत्र आयोजित कर सकते हैं, जहां भारतीय स्टार्टअप जापानी निवेश के लिए तथा जापानी स्टार्टअप भारत में साझेदारों के लिए अपने विचार पेश कर सकें।'' गोयल ने कहा कि यह पहल शुरुआती निवेश प्रस्तुति से आगे वास्तविक कारोबारी सहयोग की दिशा में कदम बढ़ाकर दोनों देशों के वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने में मदद कर सकती है।

उन्होंने कहा, ''हम मिलकर अधिक कारोबारी संपर्क स्थापित करें और निवेश प्रस्तुति के शुरुआती चरण, फिर निवेश और उसके बाद विस्तार की दिशा में आगे बढ़ें।'' मंत्री ने जापानी कंपनियों और स्टार्टअप को भारत के साथ काम करने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक सहयोग से समृद्धि के व्यापक अवसर पैदा होंगे।

गोयल ने कहा, '' मैं आप सभी को भारत आने और हमारे साथ मिलकर काम करने का निमंत्रण देता हूं, क्योंकि जापान और भारत मिलकर समृद्धि एवं बेहतर भविष्य के लिए सकारात्मक बदलाव की बड़ी ताकत बन सकते हैं।'' मंत्री ने जापान के इंजीनियरिंग क्षेत्र को भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी करने का भी आमंत्रण दिया।

उन्होंने कहा, '' मैं भारत-जापान गहन प्रौद्योगिकी पूंजी गलियारे का सुझाव देता हूं, जहां परिपक्व 'यूनिकॉर्न' कंपनियों के साथ-साथ विशेष रूप से शुरुआती चरण के वित्तपोषण के लिए बड़ी मात्रा में दीर्घकालिक पूंजी उपलब्ध हो।

इससे इन स्टार्टअप के विचारों तथा नवाचारों को सफल कहानियों में तब्दील करने में मदद मिल सकती है।'' उन्होंने कहा कि भारत डिजाइन से लेकर बड़े पैमाने पर तैनाती तक पूरी व्यवस्था उपलब्ध कराता है और देश में उत्पादों के परीक्षण के साथ-साथ उनकी बिक्री एवं बड़े पैमाने पर तैनाती के लिए भी बाजार है।

उन्होंने विश्वविद्यालयों और उद्यम पूंजी कोषों के बीच सहयोग बढ़ाने का भी सुझाव दिया। गौरतलब है कि 'शार्क टैंक' एक बेहद लोकप्रिय 'बिजनेस रियलिटी टेलीविजन शो' है। इसमें नए उद्यमी अपने व्यावसायिक विचार, उत्पाद या सेवा को अमीर निवेशकों (जिन्हें 'शार्क्स' कहा जाता है) की एक समूह के सामने पेश करते हैं।

मार्केट में वापसी

20 साल बाद भारत लौट रही मित्सुबिशी पजेरो, ऑफ-रोडिंग लवर्स के लिए बड़ी खुशखबरी

• मुंबई, एजेंसी

ऑफ-रोडिंग एसयूवी की दुनिया में अगर किसी नाम ने सालों तक राज किया है तो वो मित्सुबिशी पजेरो है। जिसकी मजबूत बॉडी, शानदार 4×4 क्षमता और कठिन रास्तों पर बेहतरीन काम करता है।

ऑफ-रोडिंग एसयूवी की दुनिया में अगर किसी नाम ने सालों तक राज किया है तो वो मित्सुबिशी पजेरो है। जिसकी मजबूत बॉडी, शानदार 4×4 क्षमता और कठिन रास्तों पर बेहतरीन काम करने की ताकत इसको मशहूर एसयूवी में शामिल करती है। वहीं अब करीब 20 साल बाद नए अवतार में यह वापसी करने जा रही है। जिसमें मित्सुबिशी अपनी आइकॉनिक पजेरो को 2 सितंबर को ग्लोबल स्तर पर पेश करेगा।

नई मित्सुबिशी पजेरो के बारे में बताए तो इसको पहले से ज्यादा एडवांस और ऑफ-रोडिंग के लिए तैयार किया जा रहा है। जिसमें सामने आई रिपोर्ट्स बताती है कि इसमें लैडर फ्रेम चैसिस मिलने की उम्मीद है। यही मजबूत प्लेटफॉर्म पुरानी पजेरो की सबसे बड़ी ताकत माना जाता था जिसकी वजह से यह पहाड़ों, जंगलों और खराब रास्तों पर भी आसानी से चलने के लायक था।

वहीं अब माना जा रहा है कि अंतर-राष्ट्रीय बाजार में नई पजेरो का मुकाबला टोयोटा लैंड क्रूजर प्राडो जैसी प्रीमियम ऑफ-रोड एसयूवी से हो सकता है। ऐसे में मित्सुबिशी इसे दमदार डिजाइन और आधुनिक तकनीक के साथ पेश करने से खेल को बदल भी सकती है।

नई Pajero में कंपनी ने कई सारे खास फीचर्स को जोड़ने की उम्मीद की जा रही है जिसमें एस-एडबल्यूसी (सुपर ऑल व्हील कंट्रोल) सिस्टम भी दिया जा सकता है। यह मित्सुबिशी की एडवांस ऑल-व्हील ड्राइव तकनीक है जो अलग-अलग सड़क और मौसम की परिस्थितियों में चारों पहियों पर बेहतर कंट्रोल बनाए रखने के काम आता है। वहीं यह सिस्टम पहले से मित्सुबिशी ट्रीटन पिकअप में इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे में अगर पजेरो में भी यही तकनीक मिलती है तो इसकी ऑफ-रोड क्षमता पहले से कहीं ज्यादा मजबूत दिखाई देगी।

लेकिन मित्सुबिशी ने अभी तक नई पजेरो के इंजन और पावरट्रेन से जुड़ी आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है फिर भी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इसमें डीजल-हाइब्रिड पावरट्रेन दिया जा सकता है। अगर यह बात सच होती है तो यह SUV दमदार परफॉर्मेंस के साथ बेहतर फ्यूल एफिशिएंसी भी दे सकती है। जो ऑटो इंडस्ट्री में हाइब्रिड तकनीक की बढ़ती मांग को देखते हुए मित्सुबिशी को लोगों के फोकस में लाने का काम करेगा।

अभी के लिए कंपनी ने यह साफ नहीं किया है कि नई पजेरो किन-किन देशों में लॉन्च होगी। लेकिन उम्मीद है कि इसे जापान, अमेरिका, यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई बाजारों में उतारा जा सकता है। हालांकि भारत में इसकी वापसी को लेकर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

पेज 1 का शेष

नेपाल में 'जल प्रलय' से...

लगातार नजर रखी जा रही है। यूपी प्रशासन ने नेपाल सीमा से सटे सभी निचले इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी है और ग्रामीणों को नदियों के पास न जाने की सलाह दी है। सीएम योगी ने X पर पोस्ट कर कहा, नेपाल के रसुवा क्षेत्र में भोटेकोशी नदी में आई भीषण बाढ़ से हुई क्षति अत्यंत चिंताजनक है। भगवान पशुपतिनाथ से सभी के सकुशल होने की प्रार्थना है। इसके प्रभाव से उत्तर प्रदेश के जनपद महाराजगंज और कुशीनगर में गंडक व नारायणी नदियों के जलस्तर में वृद्धि और बाढ़ की संभावना के दृष्टिगत स्थानीय प्रशासन को पूर्ण सतर्कता बरतने और आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

राहुल गांधी का बीजेपी ...

BPSC परीक्षा विवाद के कारण बिहार में छात्र विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों ने कथित अनियमितताओं के कारण 70वीं BPSC परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। यह आंदोलन मुख्य रूप से प्रस्तावित शिक्षक भर्ती परीक्षा - चौथे चरण (TRE-4) पर केंद्रित था; छात्रों ने राज्य भर में TRE-4 परीक्षा को दो चरणों में आयोजित करने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई और TRE-4 का आधिकारिक विज्ञापन तुरंत जारी करने की मांग की।

शिवराज का चिदंबरम पर ...

गिराने की साजिश रची और इस व्यवस्था को बिगाड़ दिया। 'एक देश, एक चुनाव' के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए चौहान ने कहा कि लॉ कमीशन ने कई बार और पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली हाई-लेवल कमेटी ने एक साथ चुनाव कराने की बात कही है। उन्होंने कहा कि 1983 में लॉ कमीशन ने कहा था कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना ज़रूरी है। चुनाव आयोग की भी यही राय थी। लॉ कमीशन ने 2018 में फिर से यही बात दोहराई। तो फिर यह असंवैधानिक कैसे हो गया? पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अगुवाई वाली कमेटी ने 'एक देश, एक चुनाव' की ज़रूरत पर रिपोर्ट तैयार करने से पहले देश भर के बुद्धिजीवियों और कानूनी विशेषज्ञों से बातचीत की। इस प्रस्ताव में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने और उसके बाद 100 दिनों के भीतर अन्य चुनाव कराने का सुझाव दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश भर में बार-बार होने वाले चुनावों के कारण चुने हुए नेता विकास कार्यों पर समय नहीं दे पाते हैं। इस मामले पर कांग्रेस के रुख को खारिज करते हुए उन्होंने दावा किया कि ज़्यादातर जनता भी 'एक देश, एक चुनाव' चाहती है। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले चुनावों से न केवल सरकार और राजनीतिक दलों का खर्च बढ़ा है, बल्कि विकास में भी बाधा आई है। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक और पार्टी कार्यकर्ता चुनावों में बहुत ज़्यादा समय लगाते हैं। शिक्षक, राजस्व विभाग के कर्मचारी, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी - जनसेवा, कल्याण और विकास पर ध्यान देने के बजाय - सिर्फ़ चुनाव की तैयारियों में ही लगे रहते हैं। आज, यह सबसे ज़रूरी ज़रूरत है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होने चाहिए। कांग्रेस पार्टी का रुख एक बात है, लेकिन राष्ट्रीय हित सबसे ऊपर है; 'एक देश, एक चुनाव' राष्ट्रीय और जनहित के लिए ज़रूरी है। मोटे तौर पर, जनता के बीच इस बात पर आम सहमति है कि चुनाव एक साथ होने चाहिए।

बांसुरी स्वराज का राहुल ....

एजेंडा। नतीजतन, वह अपनी रिसर्च टीम द्वारा दिए गए नोट्स का इस्तेमाल करके देश के युवाओं और सम्मानित मतदाताओं को गुमराह करने की कोशिश करते हैं। आइए उनके ट्रैक रिकॉर्ड को देखें—आइए कांग्रेस पार्टी के रिपोर्ट कार्ड पर नज़र डालें। आखिरकार, अगर कोई सच में पितृसत्ता को खत्म करना चाहता है, तो राहुल गांधी को इसकी शुरुआत कांग्रेस पार्टी से ही करनी चाहिए। उन्होंने 22 अगस्त को पुणे के मंच पर यह बयान दिया था; फिर भी, ठीक दस दिन पहले, उन्होंने एक महिला प्रधानमंत्री—खासकर हमारे मित्र देश इटली की मौजूदा प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी—पर किए गए एक भद्दे मज़ाक में हिस्सा लिया था।

ट्रोलिंग के बाद जीवा ने हटाया कीर्ति सेनान का राखी ऐड! एक्ट्रेस के कपड़ों पर कंगना रनौत ने भी साधा था निशाना

• मुंबई, एजेंसी

फैशन और परंपराओं को लेकर शुरू हुआ विवाद अब एक बड़े कूटनीतिक और ब्रांड विवाद में बदल गया है। मशहूर ज्वेलरी ब्रांड GIVA ने बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन वाले अपने रक्षाबंधन विज्ञापन (Raksha-bandhan Ad) को सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स से हटा लिया है। यह कदम कृति सेनन द्वारा अपने आउटफिट पर सवाल उठाने वाले ट्रोलर्स को करारा जवाब देने और बीजेपी सांसद व अभिनेत्री कंगना रनौत की तीखी आलोचना के ठीक एक दिन बाद उठाया गया है। ब्रांड द्वारा रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जारी इस कैंपेन में कृति के कपड़ों के चयन और पालतू जानवर (Pet) को राखी बांधने के कॉन्सेप्ट को लेकर सोशल मीडिया पर काफी हंगामा मच गया था।

आउटफिट पर आपत्तिः विज्ञापन में कृति सेनन ने ब्रालेट-स्टाइल ब्लाउज के साथ केप और ड्रेप्ड स्कर्ट पहनी हुई थी। सोशल मीडिया पर एक वर्ग ने इसे रक्षाबंधन जैसे पारम्परिक त्योहार के अनुकूल न मानते हुए असभ्य करार दिया।

कंगना रनौत का तंजः विवाद तब

और बढ़ गया जब कंगना रनौत ने इस मामले में कूदते हुए कृति के कपड़ों पर निशाना साधा। उन्होंने राखी बांधने जैसे पवित्र मौके पर 'बिकिनी नुमा' कपड़े पहनने के फैसले पर खुले तौर पर आपत्ति दर्ज कराई।

सोशल मीडिया पर यह विवाद तब तक चर्चा में रहा जब तक GIVA ने घोषणा नहीं की कि उसने 'सम्मान के नाते' सभी मीडिया प्लेटफॉर्म से कमर्शियल हटा लिया है।

बयान में कहा गया, 'हम भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों का बहुत सम्मान करते हैं। एक ब्रांड के तौर पर, हम हमेशा पूरे परिवार के साथ इन खुशियों भरे पलों को मनाने में विश्वास रखते हैं और इस बार हम अपने पालतू जानवरों तक भी प्यार और जश्न पहुंचाना चाहते थे।'

GIVA ने आगे कहा कि विज्ञापन के जरिए किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का उसका कोई इरादा नहीं था। ब्रांड ने कहा, 'अगर हमारे हालिया विज्ञापन से अनजाने में समाज के कुछ वर्गों की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो हमारा ऐसा कोई इरादा बिल्कुल नहीं था।

सम्मान के नाते, हमने उक्त विज्ञापन को सभी मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा लिया है। इस त्योहार के मौसम में आप सभी को ढेर सारा प्यार और सकारात्मकता मिले!'

विज्ञापन में, जिसे अब GIVA के मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा लिया गया है, कृति को रक्षाबंधन मनाते हुए दिखाया गया था। उन्होंने ब्रालेट-स्टाइल ब्लाउज के साथ केप और ड्रेप्ड स्कर्ट पहनी थी। उनके आउटफिट की सोशल मीडिया यूजर्स के एक वर्ग ने आलोचना की और त्योहार पर केंद्रित कैंपेन के लिए इसे सही नहीं माना।

कंगना के इस मामले में शामिल होने के बाद बहस और तेज हो गई; उन्होंने खास तौर पर राखी बांधते समय कृति के आउटफिट पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद कृति ने आलोचना का जवाब दिया और अपने कपड़ों के चुनाव का बचाव किया। इस कैंपेन का बचाव करते हुए, 36 साल की एक्ट्रेस ने कहा कि त्योहार महिलाओं के कपड़ों की पसंद पर जजमेंट करने के बजाय भावनाओं और परंपराओं पर केंद्रित होने चाहिए। उन्होंने एक नोट में लिखा, 'संस्कृति और परंपराएं उसके दिल में होती हैं, न कि उसके कपड़ों के गले की बनावट में,' और अपनी बात हाथ जोड़ने वाले इमोजी के साथ खत्म की।

पति कुकू कोहली के निधन से टूटीं अरुणा ईरानी, अंतिम संस्कार से दिल तोड़ने वाला वीडियो आया सामने

• नई दिल्ली, एजेंसी

हिंदी सिनेमा के मशहूर फिल्ममेकर कुकू कोहली अब इस दुनिया में नहीं हैं। 25 अगस्त की शाम को उनका निधन हो गया।

बताया जा रहा है कि 77 साल की उम्र में कुकू कोहली का निधन हार्ट अटैक के कारण हुआ है। फिल्ममेकर के निधन से उनके परिवार को गहरा सदमा लगा है। कुकू की पत्नी और एक्ट्रेस अरुणा ईरानी बिखर गई हैं। उनका एक दिल तोड़ने वाला वीडियो सामने आया है।

दरअसल, आज कुकू कोहली की अंतिम विदाई है। पति के निधन से अरुणा किस तकलीफ से गुजर रही हैं, इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। कुकू के अंतिम संस्कार में अरुणा की हालत देख लोगों की आंखें नम हो गई हैं।

सेलेब्स ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

कुकू कोहली के अंतिम संस्कार में उन्हें आखिरी विदाई देने बॉलीवुड के कई और सितारे भी पहुंचे। कटरीना कैफ अपने पति विक्की कौशल और ससुर शाम कौशल के साथ गईं। शरवरी वाघ, रोहित शेट्टी जैसे सितारों ने उन्हें आखिरी विदाई दी।

कुकू कोहली ने सिनेमा को कई हिट फिल्मों से नवाजा है। उन्होंने ये दिल आशिकाना, वो तेरा नाम था, हकीकत और अनाड़ी नंबर 1 जैसी फिल्में बनाई हैं। उन्होंने ही सुपरहिट फिल्म फूल और कांटे से अजय देवगन को बॉलीवुड में लॉन्च किया था। वह कई फिल्मों का निर्माण भी कर चुके थे।

कुकू कोहली ने दो बार शादी की। उनकी पहली पत्नी रीता कोहली थीं, जिनसे उन्हें दो बेटियां हैं। 90 के दौर में उन्होंने अरुणा ईरानी से शादी की थी जिससे उनके कोई बच्चे नहीं हैं।

'गदर मचा दिया...', रवि किशन के साथ अनुपम खेर-बोमन ईरानी ने किया वायरल डांस

• नई दिल्ली, एजेंसी

बोमन ईरानी और अनुपम खेर इन दिनों वायरल डांस का हिस्सा बनने का मौका नहीं गंवा रहे हैं। GenZ प्रोटेस्ट के दौरान वायरल हुए एक रील्स पर डांस करने के बाद अब अनुपम और बोमन, रवि किशन के ट्रेंड में शामिल हो गए हैं।

रवि किशन कुछ समय से मीम किंग बन गए हैं। स्टेटमेंट से लेकर डांस तक... रवि किशन के क्लिप्स इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं और लोग उन पर रील्स बना रहे हैं। अब इस ट्रेंड को 'खोसला का घोसला 2' की स्टार कास्ट ने भी फॉलो किया है।

अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह, बोमन ईरानी और प्रवीन डबास, रवि किशन के साथ उनका वायरल डांस स्टेप करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में 'चक दे फट्टे' पर चारों का डांस छा गया है और अब इंटरनेट पर ये क्लिप वायरल हो रहा है।

वीडियो शेयर करते हुए अनुपम खेर ने

रिवील किया है कि उनकी आगामी फिल्म खोसला का घोसला 2 में रवि किशन भी अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'एक बायां पैर है, एक दायां पैर है। ये है चल फुट।

कोऑर्डिनेशन के किंग्स वापस आ गए हैं। हम खोसला का घोसला 2 की कास्ट में अपने भाई रवि किशन का स्वागत करते हैं।'

अनुपम खेर का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। सेलिब्रिटिज भी उनका वायरल डांस देखकर रिएक्शन दे रहे हैं। शिल्पा शेट्टी ने लिखा, 'धमाल मचा दिया।' वहीं, फैंस उनके डांस को पसंद कर रहे हैं। एक ने कहा कि उन्होंने गदर मचा दिया है। कुछ इसे क्यूट बता रहे हैं।

आपको बता दें कि प्रशांत बधिया के निर्देशन में बनी कॉमेडी फिल्म खोसला का घोसला 2 सिनेमाघरों में 28 अगस्त को रिलीज हो रही है।

रेणुकास्वामी हत्याकांड में नया मोड़! कन्नड़ एक्टर दर्शन थूगुदीपा को बड़ा झटका, सह-आरोपी प्रदोष बना सरकारी गवाह

• बेंगलुरू, एजेंसी

चित्रदुर्ग के 35 वर्षीय रेणुकास्वामी हत्याकांड मामले में बेंगलुरु की 57वीं सिटी सिविल और सेशंस कोर्ट से एक बहुत बड़ा कानूनी घटनाक्रम सामने आया है। मामले में सह-आरोपी प्रदोष की सरकारी गवाह बनने की याचिका को सेशंस कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है।

इस फैसले को मुख्य आरोपी व मशहूर कन्नड़ अभिनेता दर्शन थूगुदीपा और उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा के लिए एक गंभीर झटके के रूप में देखा जा रहा है। प्रदोष के सरकारी गवाह बनने के बाद अब अभियोजन पक्ष को रेणुकास्वामी की हत्या के पीछे की पूरी साजिश, हत्या से पहले की घटनाओं और इसमें शामिल अन्य आरोपियों की वास्तविक भूमिका की प्रत्यक्ष जानकारी मिल सकेगी।

हालांकि, सरकारी गवाह बनने के साथ कुछ शर्तें भी जुड़ी हैं। ANI के मुताबिक, अगर वह शर्तें पूरी नहीं करता है तो उसे मिली

छूट खत्म हो सकती है और उसे फिर से आरोपी माना जा सकता है। इससे सरकारी पक्ष को रेणुकास्वामी की हत्या से पहले हुई घटनाओं और इसमें उसकी भूमिका के बारे में और जानकारी मिल सकेगी।

यह 35 साल के रेणुकास्वामी की हत्या का मामला है। जून 2024 में बेंगलुरु में रेणुकास्वामी का शव मिला था। इस हत्या के सिलसिले में दर्शन, पवित्रा गौड़ा और कई अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सरकारी पक्ष के मुताबिक, रेणुकास्वामी की हत्या कथित तौर पर पवित्रा गौड़ा से जुड़े एक विवाद के बाद की गई थी; पवित्रा गौड़ा भी इस मामले में आरोपी हैं। कोर्ट अभी इन आरोपों की जांच कर रही है।

प्रदोष के सरकारी गवाह बनने से उसकी गवाही कानूनी कार्यवाही का अहम हिस्सा बन सकती है। कोर्ट उसका बयान दर्ज करेगी और कानूनी प्रक्रिया के तहत उसके द्वारा दी गई जानकारी का आकलन करेगी।

यह घटनाक्रम कोर्ट द्वारा दर्शन की उस अर्जी को खारिज करने के कुछ समय बाद हुआ है जिसमें उन्होंने ट्रायल के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश होने की मांग की थी। एक्टर ने कार्यवाही में व्यक्तिगत रूप से शामिल होने की इजाजत मांगी थी, खासकर गवाहों से जिरह के दौरान उनके वकील हशमत पाशा ने तर्क दिया था कि दर्शन की व्यक्तिगत मौजूदगी से कोर्ट को कार्यवाही के दौरान उनसे जरूरी जानकारी हासिल करने में मदद मिलेगी।

हालांकि, कोर्ट ने निर्देश दिया कि दर्शन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही शामिल होते रहें। अन्य आरोपी भी वीडियो लिंक के जरिए कोर्ट के सामने पेश हो रहे हैं। जज ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि दर्शन और अन्य आरोपियों को अपने वकीलों से बातचीत करने के पर्याप्त मौके मिलें, जिसमें गोपनीय बातचीत भी शामिल है। जेल अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे सुनवाई के दौरान ऑडियो और वीडियो कनेक्टिविटी ठीक रखें और तकनीकी रुकावटों को कम से कम करें।

रूस में गैस प्लांट में भीषण आग लगने से 6 चीनी नागरिकों समेत 7 लोगों की मौत

• मॉस्को, एजेंसी

रूस के सुदूर पूर्वी अमूर इलाके में एक गैस केमिकल कॉम्प्लेक्स में भयानक आग लग गई। इस हादसे में छह चीनी नागरिकों समेत सात लोगों की मौत हो गई है। वहीं नौ लोग लापता हैं।

प्लांट ने बुधवार को टेलीग्राम पर जानकारी दी कि अमूर गैस केमिकल कॉम्प्लेक्स में मंगलवार को आग लगी थी, जिसे बुझा दिया गया है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, प्लांट ने बताया कि कुल 7 लोगों की मौत हुई और 152 लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। इनमें से 36 लोगों को अस्पताल ले जाया गया।

रूस की इन्वेस्टिगेटिव कमेटी ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। इस घटना को इंडस्ट्रियल सेफ्टी नियमों के उल्लंघन के तौर पर देखा जा रहा है। जांच समिति आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

रूस के इस गैस प्लांट के निर्माण कार्य में विदेशी कर्मचारियों की मदद ली गई थी,

जिनमें चीन के कई नागरिक शामिल थे। ऐसा देखा जाता है कि रूस हमेशा ही बड़े इंडस्ट्रियल और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए विदेशी कर्मचारियों को ही काम पर रखता है।

अमूर गैस केमिकल कॉम्प्लेक्स पॉलीइ-थिलीन और पॉलीप्रोपाइलीन बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक माना जाता है। इस प्लांट से हर साल करीब 23 लाख मीट्रिक टन पॉलीइथिलीन और 4 लाख टन पॉलीप्रोपाइलीन का उत्पादन होता है। यह प्रोजेक्ट रूस के सुदूर पूर्वी अमूर इलाके में सिबुर और सिनोपेक के सहयोग से विकसित किया जा रहा है। रूस की जांच समिति के आने के बाद ही गैस प्लांट में आग लगने के कारणों का पता चल पाएगा।

तिब्बत की बाढ़ से नेपाल में तबाही, कई गांव और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट बहे; 28 पुलिसकर्मी लापता

• काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में तिब्बत की सीमा से लगे इलाके में अचानक आई जबरदस्त बाढ़ ने कई गांवों और प्रोजेक्ट साइट्स को तबाह दिया और 28 पुलिसकर्मी लापता हैं। अधिकारियों ने भारी जान-माल के नुकसान की आशंका जताते हुए नदी के किनारे रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की।

सरकारी अधिकारियों ने बताया कि रसुवा के पहाड़ी जिले में स्याफ्रू बेसी और तिमुरे इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। साथ ही उन्होंने भोटे कोशी नदी के किनारे रहने वाले लोगों से ज्यादा सावधानी बरतने को कहा है।

जिला प्रशासक नरेंद्र परियार ने रॉयटर्स को बताया, 'हमें गांवों और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट साइट्स के बह जाने की खबरें मिली हैं।' उन्होंने आगे कहा कि अभी जान-माल के नुकसान का कोई पक्का अनुमान उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा, 'काफी जान-माल का नुकसान हो सकता है लेकिन अभी मैं पक्के

तौर पर कुछ नहीं कह सकता।'

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने कहा कि बचाव और राहत टीमों के साथ-साथ पुलिस और सेना को भी मदद के काम में लगाया गया है। उन्होंने कहा, 'निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने के निर्देश दिए गए हैं।' सरकार ने अपने बयान में कहा, 'नदी के किनारे रहने वाले लोगों को सलाह दी जाती है कि वे ज्यादा सावधानी बरतें और सतर्क रहें।'

इस बाढ़ के कारण सुरक्षा बल के 28 जवान लापता हो गए हैं। जिन 28 सुरक्षा-कर्मियों से संपर्क नहीं हो पा रहा है, उनमें से 19 नेपाल पुलिस के हैं और नौ आर्म्ड पुलिस फोर्स (APF) के हैं।

बागमती प्रांत पुलिस कार्यालय के अनुसार, रसुवागढ़ी पुलिस पोस्ट पर तैनात 22 पुलिसकर्मियों में से 13 से संपर्क नहीं हो पा रहा है, जबकि नौ से संपर्क हो गया है। स्याब्रूबेसी इलाके में नौ पुलिसकर्मियों में से तीन से संपर्क हो गया है, जबकि छह से अभी भी संपर्क नहीं हो पाया है।

इसी तरह तिमुरे बॉर्डर आउटपोस्ट (BOP) पर तैनात एपीएफ के नौ जवान भी संपर्क से बाहर हैं।

भोटे कोशी नदी तिब्बत से निकलती है और नेपाल की त्रिशूली नदी में मिलती है, जो आगे चलकर भारत में गंडक नदी के रूप में बहती है। पिछले साल भोटे कोशी नदी में आई बाढ़ से नौ लोगों की मौत हो गई थी और 24 लोग लापता हो गए थे। साथ ही नेपाल और चीन को जोड़ने वाला फ्रेंडशिप ब्रिज भी बह गया था, जिससे कई महीनों तक ट्रांसपोर्ट और व्यापार ठप रहा था।

संक्षिप्त खबरें

अमेरिका में 8 रिश्तेदारों को गोलियों से भूना, मृतकों में चार बच्चे; सनकी ने खुद को भी उड़ाया

वाशिंगटन। यूनाइटेड स्टेट्स के मोंटाना राज्य के बिलिंग्स शहर से एक ऐसी घटना सामने आई है, जो इंसानियत को लेकर सवाल खड़े करती है। यहां एक शख्स ने अपने 8 रिश्तेदारों को जान से मार कर दिया और फिर खुद भी सुसाइड कर ली।

मोंटाना के बिलिंग्स शहर में हुई इस घटना में शख्स ने जिन आठ रिश्तेदारों को मारा, उनमें चार बच्चे भी शामिल थे। आरोपी ने जिन लोगों को मारा, उनमें एक ही परिवार की चार पीढ़ी के लोग थे।

परिवार की तरफ से एक प्रवक्ता ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को जानकारी देते हुए बताया कि बिलिंग्स में एक घर पर रविवार के डिनर के दौरान यह हादसा हुआ। एक व्यक्ति ने अपने 8 रिश्तेदारों की हत्या कर दी और फिर खुदकुशी कर ली। जेनिफर मर्सर, जिन्होंने अंतिम संस्कार और अन्य खर्चों में मदद के लिए ऑनलाइन फंडरेजर शुरू किया। उन्हें ही इस घटना की जानकारी देने के लिए अधिकृत किया गया था।

जेनिफर मर्सर ने बताया कि मारे गए लोग इस मिले-जुले परिवार की चार पीढ़ियों से थे। इनमें 90 के दशक की उम्र वाली परदादी से लेकर 7 साल की बच्ची तक शामिल थी। पुलिस ने बताया कि इन सभी लोगों को रविवार शाम घर पर बुलाया गया था। घर के पूरे तरह आग की लपटों में घिरने से ठीक पहले, आस-पास के लोगों ने घर के पिछले हिस्से से गोली चलने की आवाज सुनी। पुलिस ने कई लोगों की मौत की पुष्टि की, जिनमें एक व्यक्ति की मौत खुद को गोली मारने से हुई थी।

घर से कुछ ही दूरी पर रहने वाले पड़ोसी डेविड हिलर ने रविवार शाम 6 बजे के करीब ऐसी आवाज सुनी, जैसे कि कहीं आतिशबाजी हो रही हो। उन्होंने उस आवाज पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। इसी समय एक दूसरे पड़ोसी ने डेविड हिलर को कॉल मिलाया और उस गली में गोलीबारी के बारे में बताया। हिलर जब घर के बाहर निकले तो देखा कि पुलिसकर्मी टैक्टिकल गियर पहने गाड़ियों के पीछे आड़ लिए हुए थे और कुछ के पास लंबी बंदूकें थीं, जबकि घर से काले धुएं के गुबार उठ रहे थे।

इस्लामाबाद के अस्पताल में AC कंप्रेसर फटने से आग, 15 नवजातों की मौत; एक को बचाया गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में आज बुधवार, 26 अगस्त की सुबह एक भयानक हादसा हो गया। एक अस्पताल में आग लगने से करीब 15 नवजात शिशुओं की मौत हो गई।

यह हादसा पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (PIMS) के गायने-कोलॉजी वार्ड में हुआ। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस अस्पताल की नर्सरी में एयर-कंडीशनर (AC) का कंप्रेसर फटने से आग लग गई।

PIMS अधिकारियों के मुताबिक, घटना के समय नर्सरी में 16 नवजात शिशु थे, जिनमें से 15 बच्चों की मौत हो गई। वहीं सिर्फ एक बच्चे को ही बचाया जा सका।

आग लगने की खबर मिलने के साथ ही बचाव कार्य शुरू किया गया। नवजात शिशुओं को गायनेकोलॉजी वार्ड से बाहर निकाला गया। इस घटना में 16 बच्चों में से सिर्फ एक नवजात शिशु की जान बच पाई।

बचाव अधिकारियों ने मौजूदा हालात के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आग बुझा दी गई है और टीमें घटनास्थल पर कूलिंग ऑपरेशन चला रही हैं।

इस घटना के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। नवजात शिशुओं के माता-पिता रोते-बिलखते नजर आए। जिन जिंदगियों ने चंद घंटों पहले जन्म लिया था, वे 15 बच्चे आग में झुलसकर मर गए।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, PIMS की प्रवक्ता डॉ. अनीजा जलील ने बताया, 'वार्ड में 15 बच्चे थे। एक डॉक्टर एक बच्चे की जान बचाने में कामयाब हुआ।'

प्रशासन के बयान में कहा गया है कि बचाव दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। बचाव अभियान में फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां और चार एम्बुलेंस शामिल थीं। आग पर तुरंत काबू पा लिया गया।

ट्रंप का खेल

अमेरिका ने दुनियाभर में रोके वीजा अपॉइंटमेंट, दूतावासों में शुरू हुई खास ट्रेनिंग

• वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने दुनियाभर में वीजा आवेदकों के अपॉइंटमेंट फिलहाल रोक दिए हैं। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में अधिकारियों के लिए वैश्विक ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया है। इसी के चलते वीजा अपॉइंटमेंट के शेड्यूल में बदलाव किया जा रहा है।

अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि दुनिया भर में मौजूद सभी अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में ट्रेनिंग पहल शुरू की गई है। इस ट्रेनिंग के लिए वीजा अपॉइंटमेंट के शेड्यूल को बदला जाएगा। विभाग ने हालांकि यह नहीं बताया कि ट्रेनिंग किस तरह की होगी और अपॉइंटमेंट्स में यह बदलाव कितने समय तक जारी रहेगा।

विदेश विभाग के मुताबिक, इस कार्यक्रम का उद्देश्य कांसुलर अधिकारियों को ऐसे आवेदकों की जांच करने में मदद करना है, जो अमेरिका में सरकारी लाभों पर निर्भर हो सकते हैं। साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि वीजा आवेदनों का व्यापक और एक समान तरीके से मूल्यांकन हो।

'फाइनेंशियल टाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में इंटरव्यू के लिए तारीख पा चुके इमिग्रेंट वीजा आवेदकों को ईमेल मिले हैं। ईमेल में बताया गया है कि उनके अपॉइंटमेंट रीशेड्यूल किए जा रहे हैं और नई तारीख के बारे में बाद में जानकारी दी जाएगी।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन इमिग्रेशन पर व्यापक कार्रवाई कर रहा है। इसमें वीजा और ग्रीन कार्ड रद्द करना तथा अलग-अलग आधारों पर आवेदनों को खारिज करना शामिल है। इनमें राजनीतिक विचार और

फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों में भागीदारी भी शामिल बताई गई है। ट्रंप ने कहा है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य अमेरिका की घरेलू सुरक्षा को बेहतर बनाना है।

ट्रंप प्रशासन की इमिग्रेशन नीतियों को कानूनी मोर्चे पर भी झटका लगा है। अमेरिका के एक जज ने शुक्रवार को उस नीति को खारिज कर दिया, जिसके तहत 75 देशों के आवेदकों को इमिग्रेंट वीजा जारी करने पर रोक लगाई गई थी। कोर्ट ने माना कि यह कदम विदेश मंत्री मार्को रुबियो को मिली वैधानिक शक्तियों से आगे था।

प्रशासन ने कानूनी इमिग्रेशन पर भी प्रतिबंध और कड़े करने की दिशा में कदम उठाए हैं। अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने नए कैप-सब्जेक्ट H-1B वीजा पेटिशन के लिए 1,03,265 डॉलर की फीस को स्थायी बनाने का प्रस्ताव रखा है। इससे पहले ट्रंप की ओर से लगाई गई 1 लाख डॉलर की फीस को कोर्ट ने रोक दिया था। प्रस्तावित फीस से विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों में विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने वाले नियोक्ताओं की लागत काफी बढ़ सकती है।

H-1B कार्यक्रम के तहत अमेरिकी कंपनियां विशेष प्रशिक्षण वाले विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त कर सकती हैं। इसके तहत हर साल 65,000 वीजा दिए जाते हैं, जबकि एडवांस्ड डिग्री वाले कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त 20,000 वीजा का प्रावधान है। ट्रंप प्रशासन ने H-1B आवेदकों की जांच और कड़ी करने का भी आदेश दिया है। साथ ही वीजा चयन प्रक्रिया में ऐसे बदलाव प्रस्तावित किए गए हैं, जिनसे ज्यादा कौशल और अधिक वेतन वाले कर्मचारियों को प्राथमिकता मिलेगी।

स्वामी शारिंगन एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, **संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक** शौर्य त्रिपाठी द्वारा बी-1268, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से प्रकाशित व आर.डी. प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा. लि., सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पूर्वी दिल्ली जिला क्षेत्र होगा। इस पत्र में छपे लेख, लेखकों के निजी विचार है, सम्पादक का लेखकों के विचारों से सहमत होना अनिवार्य नहीं है। (RNI No - DELHIN/2008/23199) संपर्क सूत्र - delhivartanews26@gmail.com